घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 272- रविवार 02- अगस्त 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

स्टेडियम हॉस्टल से नेशनल टेबल टेनिस खिलाड़ी लापता...सीसीटीवी बंद मिले,पुलिस कर रही जांच

आगरा,01 अगस्त 2026। आगरा के एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के हॉस्टल से राष्ट्रीय स्तर के टेबल टेनिस खिलाड़ी वंश सिंह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान हॉस्टल के सीसीटीवी कैमरे बंद मिले, जिसके बाद पुलिस अब स्मार्ट सिटी के कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

चार साल से हॉस्टल में रहकर कर रहे थे अभ्यास

वंश सिंह शाहगंज के नगला छऊआ के रहने वाले हैं और पिछले चार वर्षों से एकलव्य स्टेडियम के हॉस्टल में रहकर टेबल टेनिस की ट्रेनिंग ले रहे थे। वह अंडर-17 की कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं और कई पदक भी जीत चुके हैं। उनके बड़े भाई ध्रुव सिंह भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

वंश के पिता शैलेश सिंह का आरोप है कि गुरुवार को स्टेडियम प्रशासन ने बेटे के झगड़े की जानकारी देकर हॉस्टल से हटाने की बात कही थी। शुक्रवार सुबह जब वे हॉस्टल पहुंचे तो बताया गया कि वंश सुबह करीब 5 बजे बिना बताए कहीं चला गया। परिजनों का आरोप है कि हॉस्टल के एक अधिकारी और कर्मचारी ने वंश के साथ मारपीट की थी, जिससे वह मानसिक तनाव में था। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी संजय शर्मा ने कहा कि वंश बिना सूचना दिए हॉस्टल से चला गया था। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के कारण सीसीटीवी कैमरे बंद थे और मारपीट की जानकारी उन्हें नहीं है। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि खिलाड़ी की तलाश के लिए टीम लगाई गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और स्टेडियम कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी।

आज से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 200 रुपए सस्ता

नई दिल्ली,01 अगस्त 2026। केंद्र सरकार ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 200 रुपये से ज्यादा की कटौती की है। नई कीमतें आज लागू हो गई हैं। पिछले कुछ समय से महंगी रसोई गैस की वजह से बढ़ते खर्च का सामना कर रहे कारोबारियों को इस फैसले से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नई दरों के मुताबिक दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 202 रुपये सस्ता हुआ है। इसके बाद राजधानी में इसकी नई कीमत 2,728 रुपये हो गई है। वहीं कोलकाता में सिलेंडर की कीमत 209 रुपये घटाई गई है, जिसके बाद वहां इसकी नई कीमत 2,872.50 रुपये तय की गई है। हालांकि यह राहत सिर्फ व्यावसायिक इस्तेमाल वाले सिलेंडरों तक सीमित है। घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इस बार कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू उपभोक्ताओं को पहले वाली कीमत पर ही सिलेंडर मिलता रहेगा। पिछले कुछ महीनों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली थी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान युद्ध और आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतें बढ़ गई थीं। इसका असर भारत में भी कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों पर पड़ा था। होटल, रेस्तरां और कैटरिंग जैसे कारोबारों में रसोई गैस पर हर महीने अच्छा-खासा खर्च होता है। ऐसे में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने से इन कारोबारों की लागत कम होगी और उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी। माना जा रहा है कि इस फैसले से होटल और फूड सर्विस से जुड़े कारोबारों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हाल के दिनों में भारत ने अमेरिका और दूसरे देशों से स्पॉट आधार पर एलपीजी की खरीद बढ़ाई है, ताकि मध्य पूर्व से कम हो रही सप्लाई की भरपाई की जा सके।

आंध्र प्रदेश में भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू,अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम वाल्मीकि के नाम से जोड़ा

पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे हमने बदली परंपरा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अमरावती,01 अगस्त 2026। पीएम मोदी ने शनिवार को आंध्रप्रदेश के अमरावती में कहा, 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।'उन्होंने कहा, 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।'पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने कहा...आज आंध्र प्रदेश में डबल स्पीड से काम हो रहा

पीएम ने कहा...आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में एनडीए की पूरी टीम आंध्र प्रदेश के लिए डबल स्पीड से काम कर रही है। आंध्रप्रदेश में करीब 1 लाख करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राज्य के पूरे रेल नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। यहां 70 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है।

पीएम ने कहा...अल्लूरी सीताराम ने आदिवासियों के लिए काम किया...

मोदी ने कहा...कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज वहां पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। ये एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है।

पीएम बोले...12 साल में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 166 हुई

प्रधानमंत्री ने कहा...कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है,इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुछ दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का शुभारंभ हुआ। आज वही मॉडल के पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। इससे अमृतसर से 25 से ज्यादा डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगी।

मोदी बोले...पहले एक परिवार के नाम पर एयरपोर्ट होते थे...

पीएम ने कहा...पहले एयरपोर्ट ने नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे। हमने इस परंपरा को बदला। हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा,और इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा।

स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम

आंध्र प्रदेश के विकास के लिए बेहद अहम है। स्वर्ण आंध्र विजन को नई गति मिली है। शुभ अवसर पर उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। भगवान वराहलक्ष्मीनरसिंह स्वामी, श्री कुर्मनाथस्वामी और मां पौंडितल्ली अम्मवारू को नमन। 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इनमें एयरपोर्ट, सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। विकास के साथ भिमसा (धीमसा) नृत्य ने भी नया सांस्कृतिक रिकॉर्ड बनाया। धीमसा नृत्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति अद्भुत रही। इसमें देश की विविधता और जनजातीय विरासत की झलक दिखी।

एनएच-37 हड़ताल से थमी तेल सप्लाई,पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी लाइनें

मणिपुर,01 अगस्त 2026। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर ईंधन संकट गहराने की आशंका बढ़ गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर तेल टैंकरों की आवाजाही पूरी तरह रुकने के बाद राजधानी इंफाल सहित राज्य के कई जिलों में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। हालात ऐसे हैं कि पेट्रोल पंपों के बाहर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। बड़ी संख्या में लोग संभावित कमी की आशंका को देखते हुए पहले से ही अपने वाहनों में ईंधन भरवाने पहुंच रहे हैं। इससे कई पेट्रोल पंपों पर घंटों इंतजार की स्थिति बन गई है और आम लोगों में भविष्य की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

ट्रांसपोर्टर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल बनी वजह : यह स्थिति ऑल मणिपुर पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल और काम बंद करने के फैसले के बाद उत्पन्न हुई है। एसोसिएशन ने तेल टैंकरों का संचालन रोकने का निर्णय लेते हुए कहा है कि जब तक उनके ड्राइवरों और

ऑपरेटरों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक वे इंफाल-जिरीबाम मार्ग पर ईंधन की ढुलाई शुरू नहीं करेंगे। इस फैसले का असर पूरे राज्य की ईंधन आपूर्ति पर पड़ना शुरू हो गया है।

सरकार को पहले ही दिया गया था अल्टीमेटम : ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन का कहना है कि उसने इस मुद्दे को अचानक नहीं उठाया। संगठन ने 15 जुलाई को ही मणिपुर सरकार को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया था और समाधान के लिए 15 दिनों का समय दिया था। इसके बाद 29 जुलाई को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई, लेकिन बातचीत से कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। यही कारण रहा कि एसोसिएशन ने 31 जुलाई से अनिश्चितकालीन काम बंद करने का फैसला लागू कर दिया।

सुरक्षा और अवैध वसूली बना सबसे बड़ा मुद्दा : एसोसिएशन का आरोप है कि इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेल टैंकरों का संचालन लगातार असुरक्षित होता जा रहा है। संगठन के अनुसार, विभिन्न उग्रवादी समूहों की ओर से ट्रांसपोर्टरों को लगातार धमकियां दी जाती हैं और उनसे जबरन अवैध वसूली की जाती है। ड्राइवरों और ऑपरेटरों को अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा महसूस हो रहा है। यही वजह है कि संगठन ने सरकार से प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की मांग करते हुए परिवहन सेवाएं रोक दी हैं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का दावा है कि लगभग 225 किलोमीटर लंबे जिरीबाम-इंफाल मार्ग पर ट्रांसपोर्टरों को कम से कम छह अलग-अलग स्थानों पर कथित रूप से अवैध 'टैक्स' देने के लिए मजबूर किया जाता है।

देश में लागू हुआ एंटी-पेपर लीक कानून राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी,अधिसूचना जारी

नई दिल्ली,01 अगस्त 2026। सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और परीक्षा में धांधली रोकने के लिए लाया गया पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 अब कानून बन गया है। संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को इसे मंजूरी दे दी है। कानून मंत्रालय ने शुक्रवार को राजपत्र (गजट) अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी। नए कानून के तहत पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के लिए पहले से अधिक सख्त सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य छात्रों के भविष्य की रक्षा करना और परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाना है।इस संशोधन विधेयक को सबसे पहले लोकसभा ने पारित किया था। दोनों सदनों से पारित होने के बाद अब राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के साथ यह कानून लागू हो गया है। संशोधित कानून के तहत यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक परीक्षा का पेपर लीक करता है या परीक्षा में अनुचित तरीके अपनाने का दोषी पाया जाता है तो उसे 5 से 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक जुर्माने की सजा हो सकती है। वहीं, यदि पेपर लीक किसी संगठित गिरोह या नेटवर्क की ओर से किया जाता है, तो दोषियों को कम से कम 7 साल की जेल होगी। इसके अलावा 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

छात्रों को पीएम की माफी की जरूरत नहीं,बल्कि उन्हें स्टूडेंट्स से माफी मांगनी चाहिए : राहुल

चेन्नई,01 अगस्त 2026। राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई में स्टूडेंट्स से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- स्टूडेंट्स को पीएम की माफी की जरूरत नहीं, बल्कि उन्हें स्टूडेंट्स से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि माता-पिता को अपने बच्चे का शोक मनाते देखने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं हो सकता। नीट पेपर लीक के बाद न पीएम पीड़ित माता-पिता से मिले हैं और न ही किसी ऐसे छात्र के साथ बैठे हैं जिसका भविष्य पेपर लीक के कारण छिन गया। दरअसल, शुक्रवार रात 11 बजे राहुल ने पीएम पर एक वीडियो जारी कर कहा था कि जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान कुछ बच्चों ने उन्हें और उनकी मां को भद्दी गालियां दीं। लेकिन वह उन बच्चों को माफ करते हैं क्योंकि बचपन गलती सुधारने का समय होता है। राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि परिसीमन, तमिलनाडु के लोगों से मताधिकार छीनने की साजिश है।

260 मौतों वाले ईस्टर ब्लास्ट केस में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला...पूर्व आईजीपी और रक्षा सचिव को फांसी,खुफिया जानकारी के बाद भी नहीं हुई थी कार्रवाई

कोलंबो,01 अगस्त 2026। श्रीलंका की हाईकोर्ट ने 2019 के ईस्टर संडे आतंकी हमलों को रोकने में लापरवाही बरतने के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। तीन सदस्यीय बेंच ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक पुजित जयसुंदरा और तत्कालीन रक्षा सचिव हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने माना कि दोनों

अधिकारियों को हमलों से पहले खुफिया चेतावनी मिल चुकी थी, लेकिन उन्होंने समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए। अदालत के अनुसार, 20 अप्रैल 2019 की शाम तत्कालीन स्टेट इंटेलिजेंस सर्विस के प्रमुख निलंथा जयवर्धने ने जयसुंदरा को जानकारी दी थी कि अगले दिन कैथोलिक चर्चों और प्रमुख होटलों पर आत्मघाती हमला हो सकता है। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई और हमले को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। दो न्यायाधीशों ने बहुमत से फैसला देते हुए कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने संवैधानिक और प्रशासनिक दायित्वों की अनदेखी की, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान गई।

हालांकि, तीसरे न्यायाधीश ने असहमति जताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर पाया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के बाद दर्शन व्यवस्था में बदलाव,अब ट्रस्ट के 3 सीए को भी मिला ये अधिकार

अयोध्या,01 अगस्त 2026। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में वीआईपी और विशेष श्रेणी के दर्शन पास को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितता के मामले के बाद कुछ समय के लिए पास दर्शन की सुविधा पर रोक लगाई गई थी। अब इसे दोबारा शुरू किया गया है, लेकिन पास जारी करने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य दर्शन पास प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है।

तीन चार्टर्ड अकाउंटेंट की निगरानी में जारी होंगे पास : नई व्यवस्था के तहत ट्रस्ट के तीन अधिकृत चार्टर्ड अकाउंटेंट को दर्शन पास जारी करने की जिम्मेदारी दी गई है। इनकी आधिकारिक आईडी के माध्यम से वीआईपी और विशेष श्रेणी के दर्शन पास उपलब्ध कराए जा सकेंगे। ट्रस्ट का मानना है कि इससे पास जारी करने की प्रक्रिया पर निगरानी मजबूत होगी और अनधिकृत हस्तक्षेप या दुरुपयोग की आशंका कम होगी।

'सुगम दर्शन' की सुविधा भी रहेगी जारी : वीआईपी पास के साथ 'सुगम दर्शन' की सुविधा भी जारी रहेगी। इसके लिए तय प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। पास व्यवस्था में प्रशासनिक बदलाव के तहत जिम्मेदारी से जुड़े अधिकारियों और सदस्यों

रोजाना करीब 1800 पास का प्रावधान

राम मंदिर में दर्शन पास के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग का अलग कोटा भी निर्धारित है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, रोजाना करीब 1,800 पास छह अलग-अलग समय स्लॉट में जारी किए जाते हैं। प्रत्येक स्लॉट लगभग दो घंटे का होता है और उसमें करीब 300 श्रद्धालुओं को शामिल किया जा सकता है। वीआईपी और सुगम दर्शन के पास भी इन्हीं निर्धारित स्लॉट के अनुसार जारी किए जाते हैं।

पैसे देकर वीआईपी पास लेने की व्यवस्था नहीं

मंदिर में वीआईपी दर्शन के लिए पैसे देकर पास खरीदने की कोई व्यवस्था नहीं है। विशेष दर्शन पास अधिकृत व्यक्तियों की सिफारिश और निर्धारित प्रक्रिया के तहत जारी किए जाते हैं। ट्रस्ट के अधिकृत लोगों के अलावा जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, डीआईजी और मंडलायुक्त स्तर के अधिकारियों को भी पास जारी करने का अधिकार दिया गया है।

में भी परिवर्तन किया गया है। ट्रस्ट से जुड़े पूर्व पदाधिकारियों के इस्तीफे के बाद दर्शन व्यवस्था प्रभावित न हो, इसे ध्यान में रखते हुए नई जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

एक फॉर्म से आठ लोगों तक के पास

विशेष या सुगम दर्शन के लिए निर्धारित फॉर्म में श्रद्धालुओं का नाम,उम्र,लिंग और पहचान संबंधी जानकारी दर्ज करनी होती है। एक फॉर्म के जरिए अधिकतम आठ श्रद्धालुओं के पास बनाए जा सकते हैं। पास बनाने के लिए इस्तेमाल की गई अधिकृत आईडी की जानकारी भी रिकॉर्ड में दर्ज की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया को ट्रैक किया जा सके।

वीआईपी और वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश व्यवस्था

राम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के प्रवेश के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित हैं। सामान्य श्रद्धालु मुख्य प्रवेश मार्ग से मंदिर में प्रवेश करते हैं,जबकि वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश व्यवस्था रखी गई है। वहीं,अति विशिष्ट अतिथियों के लिए अलग मार्ग निर्धारित है। हालांकि सभी प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा जांच अनिवार्य रहती है। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित चोरी या अनियमितता के मामले की जांच भी जारी है। जांच के दौरान बैंक कर्मचारियों समेत संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। अब ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

राहुल गांधी,पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद पर केस दर्ज,भगवा वेश प्रदर्शन पर कार्रवाई

नई दिल्ली,01 अगस्त 2026। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ वाराणसी में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई संसद भवन परिसर में हुए एक राजनीतिक प्रदर्शन को लेकर की गई है। शिकायत के आधार पर वाराणसी के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है और आगे की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा मुद्दे पर हुआ था प्रतीकात्मक प्रदर्शन : संसद परिसर में विपक्षी नेताओं ने राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े कथित मुद्दे को लेकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया था। इस दौरान सांसद पप्पू यादव भगवा वेशभूषा में दिखाई दिए और उनके पास एक प्रतीकात्मक दान पात्र भी रखा गया था। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने उस दान पात्र में कुछ रुपये डाले, जिसके बाद पप्पू यादव वहां से भागते हुए नजर आए। इस पूरे प्रदर्शन के माध्यम से विपक्ष ने राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े अपने आरोपों को प्रतीकात्मक तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया।

संत समाज ने जताई कड़ी आपत्ति : इस प्रदर्शन को लेकर वाराणसी के कई संतों और धार्मिक संगठनों ने आपत्ति दर्ज कराई। उनका कहना है कि भगवा वेशभूषा को इस प्रकार के राजनीतिक प्रदर्शन में इस्तेमाल करना संत परंपरा और धार्मिक प्रतीकों की गरिमा के अनुरूप नहीं है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस प्रदर्शन से करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। संत समाज ने पुलिस से मामले

में कानूनी कार्रवाई करने की मांग की, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई।

धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप : कोतवाली थाने में दर्ज शिकायत में राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि भगवा वस्त्र पहनकर चोरी का प्रतीकात्मक दृश्य प्रस्तुत करना अनुचित है और इससे धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंची है। हालांकि, मामले की जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और आरोपों की सत्यता का परीक्षण जांच के दौरान किया जाएगा।

भाजपा और विश्व हिंदू परिषद ने भी उठाए सवाल : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विश्व हिंदू परिषद सहित कई संगठनों ने भी इस प्रदर्शन की आलोचना की है। इन संगठनों का कहना है कि भगवा वस्त्रों को चोरी जैसे प्रतीकात्मक दृश्य से जोड़ना हिंदू समाज की भावनाओं का अपमान है। भाजपा नेताओं ने इसे धार्मिक प्रतीकों के अनुचित उपयोग का मामला बताया, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने भी इस तरह के प्रदर्शन पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की।

संपादकीय

समान नागरिक संहिता : संवैधानिक संकल्प सामाजिक संवाद और राजनीतिक चुनौती

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी) का प्रारूप तैयार करने के लिए समिति गठित किए जाने के बाद राज्य में इस विषय पर गंभीर बहस शुरू हो गई है। उत्तराखंड के बाद अब छत्तीसगढ़ भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं,बल्कि सामाजिक,सांस्कृतिक और संवैधानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। इसलिए यह आवश्यक है कि इस विषय पर भावनाओं के बजाय तथ्यों,संविधान और समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर चर्चा हो। भारतीय संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों के अनुच्छेद 44 में राज्य को समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। हालांकि यह मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि नीति-निर्देशक सिद्धांत है,फिर भी संविधान निर्माताओं की यह सोच थी कि भविष्य में देश के सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, गोद लेने,उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे नागरिक मामलों में समान कानून हो। सात दशक बाद भी यह विषय पूरी तरह लागू नहीं हो सका है,क्योंकि भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता इसे जटिल बनाती है।

यूसीसी के समर्थकों का तर्क है कि अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण समानता का सिद्धांत प्रभावित होता है। उनका मानना है कि एक समान नागरिक कानून लागू होने से सभी नागरिकों को समान अधिकार और समान कानूनी संरक्षण मिलेगा। विशेष रूप से महिलाओं के अधिकार,उत्तराधिकार में समानता, विवाह और तलाक से जुड़े मामलों में न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। उनका कहना है कि जब आपराधिक कानून पूरे देश में समान हो सकते हैं, तो नागरिक कानूनों में भी समानता स्थापित की जा सकती है।

वहीं दूसरी ओर, इस विषय को लेकर कई सामाजिक, धार्मिक और जनजातीय संगठनों की चिंताएं भी सामने आती रही हैं। उनका कहना है कि भारत केवल विभिन्न धर्मों का देश नहीं,बल्कि अनेक संस्कृतियों,परंपराओं और सामाजिक व्यवस्थाओं का भी देश है। ऐसे में किसी भी कानून को लागू करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान या परंपरागत अधिकारों पर अनावश्यक प्रभाव न पड़े। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में,जहां बड़ी जनजातीय आबादी अपनी पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था और रीति-रिवाजों के अनुसार जीवन जीती है,वहां यह प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

सरकार द्वारा गठित समिति के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वह समाज के सभी वर्गों का विश्वास जीत सके। समिति यदि केवल औपचारिकता निभाएगी तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। लेकिन यदि वह विधि विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों,महिला संगठनों,जनजातीय प्रतिनिधियों,धार्मिक विद्वानों और नागरिक समाज के साथ व्यापक संवाद कर सुझावों के आधार पर प्रारूप तैयार करेगी, तो यह प्रक्रिया अधिक विश्वसनीय और स्वीकार्य बन सकती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी बड़े कानूनी सुधार की सफलता केवल कानून बनने से नहीं होती। कानून तभी प्रभावी होता है जब समाज उसे न्यायपूर्ण और आवश्यक मानकर स्वीकार करे। भारत में अनेक सामाजिक सुधार व्यापक जनसंवाद और सहमति के बाद सफल हुए हैं। इसलिए यूसीसी पर भी संवाद का रास्ता ही सबसे उपयुक्त माना जाना चाहिए।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। समर्थक इसे संविधान के एक अधूरे संकल्प को पूरा करने की दिशा में कदम मानते हैं, जबकि विरोधी इसे सामाजिक विविधता और व्यक्तिगत कानूनों से जुड़े अधिकारों के संदर्भ में देखते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वह इस विषय को राजनीतिक बहस तक सीमित न रखे,बल्कि इसे संवैधानिक और सामाजिक सुधार के रूप में प्रस्तुत करे।

छत्तीसगढ़ में समिति का गठन एक प्रारंभिक कदम है। अब राज्य की जनता की निगाहें इस बात पर होंगी कि समिति का प्रारूप कितना संतुलित, व्यावहारिक और संवेदनशील होता है। क्या उसमें महिलाओं के अधिकारों को पर्याप्त स्थान मिलेगा? क्या जनजातीय समाज की पारंपरिक व्यवस्था का सम्मान होगा? क्या सभी समुदायों से प्राप्त सुझावों को निष्पक्ष रूप से शामिल किया जाएगा? इन प्रश्नों के उत्तर ही इस पहल की सफलता तय करेंगे।

सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि समिति की कार्यवाही अधिकतम पारदर्शी हो। समय-समय पर सुझाव आमंत्रित किए जाएं, मसौदे के प्रमुख बिंदु सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को अपनी राय रखने का अवसर मिले। इससे कानून बनने से पहले ही समाज में अनावश्यक भ्रम और आशंकाओं को दूर किया जा सकेगा।

समान नागरिक संहिता केवल कानून बदलने का विषय नहीं है, बल्कि यह संविधान की भावना,सामाजिक विविधता, लैंगिक न्याय और लोकतांत्रिक संवाद–इन सभी की परीक्षा है। यदि यह प्रक्रिया सहमति, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ती है, तो यह छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पहल साबित हो सकती है। लेकिन यदि संवाद की जगह जल्दबाजी या टकराव हावी हुआ, तो कानून बनने से पहले ही समाज में नई बहस और विभाजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए इस विषय पर सबसे बड़ी आवश्यकता है–संवाद,संतुलन और संविधान की भावना के प्रति प्रतिबद्धता।

विचारधारा:जेन जी,अल्फा,नई जेनरेशन और समय परिवर्तन चक्र

केशी गुप्ता
द्वारका,नई दिल्ली

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

देश की राजधानी दिल्ली का जंतर मंतर फिर एक और आंदोलन से चर्चा का विषय बना हुआ है। तथाकथित तथ्यों पर आधारित इसे जेन जी आंदोलन 2 कहा जा रहा है।अब विपक्ष और देश के युवा 20 जुलाई को हुई बर्बरता लाठीचार्ज,आंसू गैस ,लड़कियों से किये गए दुर्व्यवहार की जवाबदारी के एवज में ग्रह मंत्री अमित शाह का इस्तीफ़ा मांग रहे है। उनका मानना है कि ये सब बर्बरता गृहमंत्री अमित शाह के आदेश से हुई है। आज देश में उठा युवाओं का एक आंदोलन प्रचण्ड ज्वाला का रूप ले चुका है। जो देश के हर कोने में दहक रही है। ये कहना गलत नहीं होगा कि आवाम अब खुलकर मौजूदा सरकार के प्रतिनिधियों से 12 साल के कार्यकाल और किए गए वादों की जवाबदारी मांग रही है । आवाम में छुपा आक्रोश अब फूट रहा है। अब

युवाओं के साथ हर वर्ग और क्षेत्र का भारतीय खड़ा दिखाई दे रहा है। शिक्षा से लेकर युवाओं की अन्य कई समस्या है । आज अधिकांश युवा बेरोजगारी की चपेट में है । अच्छे दिनों की राह देखते देखते लोगों की आंखें पथरा गई है । आर्थिक तंगी ने लोगों का सकून खत्म कर दिया है । जनता की मूलभूत जरूरतें महंगाई के चरम पर है । राम मंदिर की चोरी ने जनता की आस्था को आहत किया है। जनता का सरकार, व्यवस्था के प्रति विश्वास हिल दिखाई देता है। शायद अब देश के युवा पढ़े लिखे प्रतिनिधियों को चुनना चाहते है जो उनकी आवाज को सुने और नए तरीके अपनाते हुए समानता से हर कानून कायदे को लागू करें। ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जनता अब बेदाग,प्रतिभाशाली प्रति निधियों का चयन चाहती है । वह मीडिया या लोकतंत्र पर किसे भी तरह का प्रतिबंध नहीं चाहती है। समय एक नई लहर का है । जमाना जेन जी,अल्फा और आने वाली नई जेनरेशन का है । युवा देश का भविष्य है और परिवर्तन समय चक्र का नियम।

सोशल मीडिया की अदालत : क्या भीड़ का फैसला ही अंतिम सत्य है?

डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी तरह बदल गई है। आज के दौर में लगभग सभी लोगों के पास मोबाइल फोन है और कुछ ही सेकंड में कोई भी व्यक्ति अपने विचार पूरी दुनिया में साझा कर सकता है। सूचना का लोकतंत्रीकरण आधुनिक समाज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि समाचार और विचार अब पारंपरिक संस्थानों तक ही सीमित नहीं हैं। लेकिन इस सशक्तिकरण में एक गंभीर खतरा भी छिपा है। आजकल तर्कपूर्ण बहस की जगह अधूरी जानकारी,अफवाहें,ऑनलाइन ट्रोलिंग और डिजिटल भीड़ के विचारों ने ले ली है। कई मामलों में,व्यूज़,रेटिंग और वायरल होने की होड़ सच्चाई की खोज से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

महज कुछ घंटों में एक वीडियो ऑनलाइन आ जाता है,किसी मुद्दे का एक पक्ष सामने आता है, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट उसे फैला देते हैं,और लाखों लोग बिना सबूत या उचित कानूनी प्रक्रिया के किसी को दोषी घोषित कर देते हैं। सोशल मीडिया की यह तत्काल अदालत न तो तथ्यों की समीक्षा करती है और न ही निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान करती है। इसने अक्सर अन्यायपूर्ण तरीके से,भावनाओं,अधूरी सच्चाइयों और भीड़ की मानसिकता के आधार पर फैसले सुनाए हैं।

हाल ही में एक स्कूल शिक्षक के मामले में यह चिंता फिर से सामने आई है। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर शिक्षक को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया का तुरंत इस्तेमाल किया गया। अनगिनत उपयोगकर्ताओं ने कठोर निर्णय लिए, उनके चरित्र पर संदेह जताया और सभी तथ्य सामने आने से पहले ही उन्हें दोषी घोषित कर दिया। लेकिन जैसे-जैसे महीने बीतते गए,एक अलग ही कारण सामने आया। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण जांच के अधिकार को अधिकाधिक महत्व दिया जाने लगा।

यह उन अहम सवालों में से एक है। क्या आरोपी की निंदा करने वाले लोग दूसरे पक्ष की बात सुनने को भी तैयार होंगे? क्या वे यह स्वीकार करेंगे कि उनसे जल्दबाजी में फैसला लेने की संभावना हो सकती है? लेकिन क्या रुझान, आक्रोश और ऑनलाइन लोकप्रियता सच्चाई से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बने रहेंगे?

भारतीय न्याय प्रणाली का एक मूलभूत पहलू यह है कि निर्दोषता का सिद्धांत भारतीय न्यायालयों में एक सार्वभौमिक नियम है,जिसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को दोषी सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाता है। यह कोई कानूनी तर्क-वितर्क नहीं,बल्कि किसी भी सभ्य समाज का मूलभूत सिद्धांत है। जब इस सिद्धांत का उल्लंघन होता है, तो न्याय के स्थान पर अराजकता फैल जाती है, और कोई भी व्यक्ति किसी भी कारण से जन आक्रोश का शिकार हो सकता है।

ट्रोलिंग सिर्फ आलोचना तक सीमित नहीं है,यह ऑनलाइन होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सार्वजनिक दंड के रूप में किया जाता है। लोग लाइक्स, शेयर्स और व्यूज़ के नाम पर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा,करियर,परिवार और भविष्य को बर्बाद करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। दशकों की अच्छी प्रतिष्ठा पल भर में नष्ट हो सकती है। अदालत में निर्दोष साबित होने पर भी सामाजिक कलंक अक्सर मिटता नहीं है।

तो फिर एक अहम सवाल उठता है। झूठे आरोप में फँसे व्यक्ति को सम्मान कौन दिलाएगा? क्या वायरल पोस्ट को हटाने से लोगों की याददाश्त मिट जाएगी? क्या सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के बाद व्यक्ति पश्चाताप करेगा, या उसे भुला दिया जाएगा? ज़्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। कानूनी तौर पर निर्दोष साबित होने से सामाजिक क्षति की पूरी तरह भरपाई नहीं हो सकती।

हालांकि,यह बात भी बेहद महत्वपूर्ण है कि असली अपराधियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। महिलाओं, बच्चों या छात्रों की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कानूनी सजा लगाई जानी चाहिए। न्याय अवश्य होना चाहिए, चाहे वह निर्दोष ही क्यों न हो,और दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। न्याय का अर्थ केवल अपराध को दंडित करना ही नहीं है;इसमें उन लोगों की रक्षा करना भी शामिल है जिन पर गलत आरोप लगाए गए हैं। परंपरागत मीडिया और सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। सबसे पहले खबर देने की होड़ में अक्सर तथ्यों की पुष्टि नहीं हो पाती। सुर्खियों का उद्देश्य पाठक की भावनाओं को भड़काना होता है। यदि बाद में कोई घटनाक्रम मूल रिपोर्ट के विपरीत साबित होता है, तो सुधारों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। परिणामस्वरूप,गलत सूचना लाखों लोगों तक फैल जाती है जबकि सच्चाई उतनी देर तक नहीं पहुंच पाती।

दुनिया को यह समझने की ज़रूरत है कि वायरल होने वाली कोई भी चीज़ हमेशा सही नहीं होती। मूल संदर्भ से अलग की गई सामग्री और जानकारी,कुछ सेकंड का वीडियो या एक अलग क्लिप,जनमत को पूरी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए, एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए धैर्य रखना,आलोचनात्मक रूप से सोचना और सत्यापित तथ्यों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है।

परंपरागत रूप से,भारतीय समाज में शिक्षकों को भरोसेमंद और सम्मानित माना जाता है। जब कोई शिक्षक आपराधिक कृत्य द्वारा इस भरोसे को तोड़ता है,तो कानून को सख्त होना चाहिए क्योंकि यह न केवल कानून का, बल्कि जनता के भरोसे का भी उल्लंघन है। हालांकि,जब कोई शिक्षक झूठे आरोपों का शिकार होता है,तो यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं होती, बल्कि शिक्षण पेशे की गरिमा का भी मामला बन जाती है। इसलिए,लोगों के निर्णय सबूतों पर आधारित होने चाहिए, न कि भावनाओं पर।

अब समय आ गया है कि सोशल मीडिया को सकारात्मक चर्चा के मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाए, न कि वैकल्पिक न्यायालय के रूप में। सभी नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता है,लेकिन केवल न्यायालयों को ही दोष सिद्ध करने का अधिकार है। साक्ष्य,कानूनी सिद्धांतों और उचित प्रक्रिया पर आधारित न्यायिक निर्णय ही संवैधानिक लोकतंत्र में न्यायपालिका के सम्मान का आधार हैं।

हम डिजिटल नागरिक हैं और इसी नाते हमारी नैतिक जिम्मेदारियां भी हैं। कोई भी पोस्ट साझा करते समय, उसकी प्रामाणिकता की जांच करना महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन अपमानजनक टिप्पणी करने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि अगर हमारे परिवार के किसी सदस्य के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता तो हमें कैसा लगता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ कभी भी किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की स्वतंत्रता नहीं होना चाहिए,जब तक कि यह साबित न हो जाए।

समाज और आरोपी दोनों का यह कर्तव्य है कि वे शिकायतकर्ता की बात सुनें, लेकिन साथ ही आरोपी को भी अपनी बात कहने का मौका दें। संतुलन संवैधानिक न्याय का मूल आधार है। यदि हम एकतरफा जानकारी के आधार पर निर्णय सुनाना शुरू कर दें, तो कोई भी झूठे आरोप और ऑनलाइन भीड़ की मानसिकता का शिकार बन सकता है।

अंततः, यह एक सीधा-सा सिद्धांत है। यदि निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद शिक्षक दोषी पाया जाता है, तो यह अपराध अक्षम्य है और कानून को उसे कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले दोषी करार देना न्याय नहीं,बल्कि भीड़तंत्र है।

हालांकि,सोशल मीडिया के रुझान क्षणभंगुर होते हैं,और जल्दबाजी में सार्वजनिक निंदा करने से होने वाला नुकसान जीवन भर का घाव बन सकता है। एक सभ्य समाज वह है जो निर्णय आक्रोश या लोकप्रिय राय के आधार पर नहीं, बल्कि सत्य,प्रमाण,कानून के शासन और उचित प्रक्रिया के सम्मान के आधार पर लेता है। जैसे ही भीड़ न्यायाधीश बन जाती है,सबसे बड़ा नुकसान स्वयं सत्य का होता है।

दुनिया में ऐसा छाँव है कहाँ

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण,
छत्तीसगढ़

दुनिया में ऐसा छाँव कहाँ,
जहाँ मैं सुकून पाऊँ
दुनिया में ऐसा गोद कहाँ,
जहाँ चैन से सो पाऊँ
ऐसा कोई और नही,
बस तेरा मैं सानिध्य पाऊँ
माँ से बड़कर ऐसा और कहाँ,
मैं ये जन्नत पाऊँ।

माँ के चरणों में सारी दुनिया का,मैं
प्यार पाऊँ
रूठ जाऊँ मैं कितना भी,
तो भी मनुहार पाऊँ
ऐसा कोई और नही,तेरे
आँचल का छाँव पाऊँ
दर्द स्वयं लेने वाली,
ऐसी माँ का उपकार पाऊँ।

माँ दयालू है,ममतामयी है,
तेरा आशीष पाऊँ
तेरे चरणों में समर्पित होऊँ,
नीत शीश झुकाऊँ
मैं बेसहारा,जग का मारा,
बस तेरा सहारा पाऊँ
मन हुआ है अधीर मेरा,
बस तेरा आसरा पाऊँ।

क्या मेरा अस्तित्व है,
बस जरा सा मान पाऊँ
तन समर्पित,मन समर्पित,
मैं तेरा सम्मान पाऊँ
पानी की बुंदे जैसी,
श्रद्धा सागर में मिल जाऊँ
तुझसे बढ़कर माँ कहाँ है,
जिसका मैं गुण गाऊँ।

वक्त के महत्व को समझें

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

वक्त के महत्व को समझें,क्योंकि वक्त बहुत ही मूल्यवान होता है। एक बार जो वक्त बीत जाता है, वो कभी लौटकर नहीं आता। इसलिए हम सभी को वक्त की कद्र करनी चाहिए, अन्यथा हमें बाद में पछताना पड़ सकता है। जिंदगी के सफर में सब कुछ निश्चित समयावधि के अनुसार ही होता है। समय पर बोया हुआ बीज ही फसल देता है,समय पर पढ़ा हुआ छात्र ही परीक्षा में सफल होता है और जिंदगी कैसे जीना है, ये बात हर इंसान को खुद तय करनी होगी। आलस्य करने वाले समय के महत्व को नहीं समझते,वही मेहनती समय के साथ दौड़ लगाकर आगे निकल जाते है। क्योंकि जिंदगी में हर किसी को एक सुअवसर जरूर मिलता है। जो इस अवसर को समझकर समय के साथ चलते हैं, वो आसमान को छूने से नहीं डरते। वहीं समय से विलंब चलने वाले जमीन पर रहने से भी डरते हैं। समय किसी का इंतजार नहीं करता। राजा हो या रंक,अमीर हो या गरीब - घड़ी की सुई सबके लिए एक ही गति से चलती है। इसलिए आज से ही हम सभी को एक वचन खुद से लेना चाहिए कि हम अपने जीवन का एक -एक पलों को व्यर्थ नहीं गंवाएँगे। समय का सही उपयोग करके सफलता की शिखर पर पहुँचेगे और कहते है ना-जो वक्त को समझ गया,मानो जिंदगी जीत गया।

प्रेम-डोर

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,
हरियाणा

प्रेम-डोर जब थाम ली,
जुड़ते सकल जहान।
अहं तनिक जो बीच में,
उजड़े सब उद्यान॥
धागे के दो छोर हैं,दो जीवन के द्वार।
एक सँभाले याद को,दूजा दे विस्तार॥
कंपन-कंपन कह रहा,
जीवन रचा विधान–
प्रेम-डोर जब थाम ली,
जुड़ते सकल जहान॥
खींचा यदि अहंकार ने,
टूटी हर पहचान।
जीत गए शब्दों मगर,हार गया इंसान॥
झुककर जिसने बाँध ली,
वही रहता महान–
प्रेम-डोर जब थाम ली,
जुड़ते सकल जहान॥
प्रेम न केवल भाव है,
जीवन का आधार।
सूखे मन में भी जगा,
हरियाला संसार॥
बाँट सका जो नेह को,
पाया अमृत-दान
प्रेम-डोर जब थाम ली,
जुड़ते सकल जहान॥
विश्वासों की उँगलियाँ,
थामे जब विश्वास।
अदृश्यों में दिखने लगे,
सृष्टि-हृदय के पास॥
ब्रह्मांडों की डोर भी,
प्रेममयी पहचान–
प्रेम-डोर जब थाम ली,
जुड़ते सकल जहान॥

पहाड़ों का संगीत और नदियों का गुनगुनाता संदेश

डॉ. मुस्ताक अहमद
हरदा,मध्यप्रदेश

प्रकृति के इन मूक रक्षकों,आदि-काल से अडिग खड़े विराट महाशिखरों और अपनी अनंत हरी छांव में सदियों से एक गहरा, रहस्यमयी मौन साधे इन वीर वनों के अंतहीन साम्राज्य के बीच पसरी यह जादुई और सम्मोहक शांति वास्तव में कोई निर्वात या रीता शून्य नहीं है,बल्कि यह तो संपूर्ण ब्रह्मांड का वह अनाहत नाद और आदि-संगीत है जो केवल और केवल आत्मा की गहनतम गहराइयों में ही तब सुनाई देता है, जब हम आधुनिकता की अंधी चकाचौंध, शहरों की इस मशीनी,प्राणहीन और थका देने वाली अंधी दौड़, कृत्रिमता के आडंबरों और इंसानी बस्तियों के कभी न थमने वाले अंतहीन शोर-शराबे से पूरी तरह टूटकर और थककर इन पर्वतीय अंचलों के इतने आत्मीय करीब आते हैं कि देवदार और चीड़ के पेड़ों की मख़मली,ओस-भीगी हरी पत्तियों को सहलाते हुए उनके नितांत एकांत, उनकी सदियों पुरानी अनकही दास्तां, उनके भीतर छुपे आदिम दर्द और उनकी नीरव भाषा को साक्षात् महसूस कर सकें,क्योंकि ठीक उसी पावन क्षण में हमारे भीतर भौतिकता की नींद में सोया हुआ मनुष्य और परम संवेदना का भावुक कवि एक साथ जाग उठता है। यह वह परम पवित्र और अलौकिक धरा है जहाँ नीले गगन के असीम विस्तार को छूते ये अभेद्य,ऊंचे बर्फ़ीले शिख़र अपनी अचलता से हमें यह महान जीवन-दर्शन सिखाते हैं कि वक्त के क्रूर से क्रूर कड़े थपेड़ों, झंझावातों और मौसम के हर बदलते मिज़ाज को बिना विचलित हुए अगाध धीरज के साथ सहकर भी अपने आत्मसम्मान,अपने स्वाभिमान और अपनी मूल सांस्कृतिक जड़ों पर किस प्रकार मज़बूती से अडिग रहा जाता है, और वहीं दूसरी ओर,इन विशालकाय पहाड़ों का सीना चीरकर,पत्थरों की छाती को बेधकर जब कलकल-छलछल करते चश्मे, ऊंचाइयों से गिरते दुग्ध-धवल झरने और वेगवती नदियाँ अपनी संपूर्ण अलौकिक ऊर्जा के साथ बाहर फूटती हैं, तो वे केवल पानी का कोई भौतिक बहाव मात्र नहीं होतीं,बल्कि वे साक्षात् वसुंधरा के धड़कते हुए हृदय की जीवंत धड़कन बन जाती हैं; जो अपने उद्गम से लेकर मैदानों की ओर बढ़ने की इस दुर्गम और अत्यंत कठिन यात्रा में जब मार्ग में आड़े आने वाली विशालकाय चट्टानों,तीखे मोड़ों और कठोर पत्थरों से बार-बार टकराती हैं,तो यह भीषण टकराव किसी प्रलयकारी विनाश या कोलाहल को नहीं,बल्कि एक अतीव मधुर, कर्णप्रिय और रूहानी कलकल-छलछल के आदि-संगीत को जन्म देता है,और ऐसा प्रतीत होता है मानो ये नदियाँ उन निष्ठुर पत्थरों से टकरा-टकराकर,उन्हें सहलाकर और तराशकर पूरे संसार को गुनगुनाती हुई यह अमर और शाश्वत संदेश दे रही हैं कि जीवन का वास्तविक नाम कहीं भी ठहरना या जड़ हो जाना नहीं है,बल्कि मार्ग की हर बड़ी से बड़ी बाधा, विपत्ति और अवरोध को ही अपनी शक्ति बनाकर,उसे काटकर अपना नया रास्ता बनाते हुए निरंतर, अबाध गति से आगे बढ़ते रहना है,क्योंकि मुश्किलें और संघर्ष इंसान को मिटाने या बिखेरने के लिए नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे वास्तविक आत्म-सौंदर्य को निखारने और उसे कुंदन बनाने के लिए ही आती हैं। वनों की इस अत्यंत गहरी, शीतल और रहस्यमयी छाँव के साए में एक अद्भुत, अलौकिक और बिना किसी शर्त वाला निश्छल प्रेम तथा परस्पर सह-अस्तित्व का दिव्य साम्राज्य चारों ओर बिखरा पड़ा है,जहाँ छोटे-बड़े, कड़वे-मीठे, कटीले और छायादार हर प्रकार के पौधे और वनस्पति बिना किसी आंतरिक द्वेष,ईर्ष्या, शिकवे या किसी भी सामाजिक भेदभाव के एक साथ मिलकर पनपते हैं, फलते-फूलते हैं,और संपूर्ण जीव-जगत के कल्याण के लिए,हवाओं को शुद्ध और प्राणदायिनी बनाने के लिए वातावरण के सारे प्रदूषण और विष को खुद पी जाते हैं,तथा अपनी शरण में आने वाले हर एक थके-हारे मुसाफ़िर को,बिना उसका धर्म,जाति या रुतबा पूछे,अपनी अत्यंत शीतल छाँव का ममतामयी आंचल ओढ़ाकर उसे नवजीवन प्रदान कर देते हैं; यहाँ समय का चक्र भी अपनी अनुपम छटा बिखेरता है जब भोर की पहली ऊषाकालीन सिंदूरी किरण इन अभेद्य शिखरों की धवल पेशानी को चूमती है तो वह मानव मन के संशय और अवसाद के गहरे अंधकार को मिटाकर एक नई चेतना,नई ऊर्जा और नई उम्मीद का अखंड दीया रोशन कर देती है,और वहीं दूसरी ओर, गोधूलि बेला में शाम का ढलता हुआ सुनहरा,रक्तिम सूरज जीवन के इस शाश्वत ठहराव,अवसान और मृत्यु को भी एक बेहद खूबसूरत,गरिमामयी और मुकम्मल विदाई का रूप दे जाता है। सचमुच,जब आषाढ़ और सावन की पहली शीतल बूंदें इन वनों की प्यासी,सूखी पत्तियों पर टप-टप गिरती हैं और उस तप्त, पवित्र सोंधी मिट्टी की वह रूहानी,सोंधी महक समस्त फिज़ाओं और वादियों में धीरे-धीरे घुलने लगती है,तब इस धरती के सर्वश्रेष्ठ जीव अर्थात इंसान को अपनी नश्वरता का और इस परम सत्य का गहरा अहसास होता है कि उसका भौतिक वजूद और पंचतत्व की यह देह इसी मिट्टी से उपजी है और अंततः एक दिन उसे इसी मिट्टी की गोद में हमेशा के लिए लौट जाना है;हालांकि आज के इस घोर कलियुग में इंसानी स्वार्थ, अनियंत्रित लालच,औद्योगिकीकरण और कंक्रीट के अंधे जंगलों को खड़ा करने की अंधी चाह में इन मूक पहाड़ों का सीना डायनामाइट और मशीनों से बेदर्दी से चीरा जा रहा है, जिससे सदियों पुराने ये प्राकृतिक जल-स्रोत,चश्मे और नदियाँ अब सूखकर सिसकने लगी हैं,फिर भी प्रकृति का यह विशाल आंचल न सिर्फ़ हमें हमारी भूलों के प्रति मूक चेतावनी देता है,बल्कि इसके पावन आंचल के भीतर आज भी औषधीय जड़ी-बूटियों का वह अनंत,अलौकिक खज़ाना और जीवनदायिनी शुद्ध प्राणवायु प्रचुर मात्रा में छुपी हुई है जो हमारे तन और व्याकुल मन दोनों के गहरे से गहरे मानसिक और शारीरिक घावों को पल भर में भर देती है।

चाय की दुकान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर मन्नू की चाय की दुकान केवल एक गुमटी नहीं थी बल्कि उस पूरे इलाके की धड़कन थी जहाँ रोज सुबह से देर रात तक लोगों का तांता लगा रहता था। उस छोटी सी दुकान के कोने में लकड़ी की एक पुरानी बेंच रखी थी जहाँ हर शाम रामनाथ जी आकर बैठते थे। सफेद कुर्ता-पायजामा पहने और चेहरे पर एक अजीब सी खामोशी लिए रामनाथ जी जब भी आते तो मन्नू बिना कुछ पूछे मिट्टी के कुल्हड़ में कड़क अदरक वाली चाय उनके सामने रख देता था। रामनाथ जी चाय का केवल एक घूँट लेते और फिर उस आधे भरे कुल्हड़ को घंटे भर अपने हाथों में पकड़े टुकुर-टुकुर सामने की सड़क को निहारते रहते थे। मन्नू ने सालों से यह माजरा देखा था लेकिन उसने कभी उनसे इस बात का कारण पूछने की हिम्मत नहीं जुटाई थी। एक दिन जब दुकान पर ग्राहकों की भीड़ कुछ कम हुई तो मन्नू से रहा नहीं गया और वह हाथ में पोछा लिए उनके पास जाकर खड़ा हो गया। मन्नू ने बहुत ही सहेज कर अपनी बात रखते हुए पूछा ÷बाबूजी आप रोज आते हैं और इतनी बढ़िया गरम चाय का बस एक घूँट पीकर छोड़ देते हैं,बाकी की पूरी चाय ठंडी होकर बेकार हो जाती है, क्या हमारी चाय का स्वाद आपको पसंद नहीं आता या फिर कोई और बात है?÷ रामनाथ जी ने एक गहरी सांस ली और अपने कांपते हाथों से उस कुल्हड़ को सहलाते हुए मुस्कुराए। उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक तैर गई और उन्होंने धीमी आवाज में कहा ÷मन्नू भाई इस कुल्हड़ की मिठास तो मुझे उस राह पर ले जाती है जहाँ मेरा पूरा संसार बसा हुआ है।÷

रामनाथ जी की बात सुनकर मन्नू की उत्सुकता और बढ़ गई क्योंकि उसे लगा कि शायद किसी पुराने प्यार या खोए हुए रिश्ते की कहानी अब बाहर आने वाली है। उन्होंने आगे बोलना शुरू किया मन्नू तुम्हें शायद पता नहीं है कि यह आधा भरा कुल्हड़ मेरे लिए सिर्फ चाय का बर्तन नहीं बल्कि उम्मीद की वह आखिरी किरण है जो मुझे रोज जीने की वजह देती है।÷ तभी चौराहे पर तेज हॉर्न की आवाज हुई और रामनाथ जी ने अपनी निगाहें सड़क की ओर दौड़ा दीं जैसे वे किसी चमचमाती गाड़ी का इंतजार कर रहे हों। मन्नू ने उत्सुक होकर पूछा बाबूजी क्या आपका कोई अपना उस पार से आने वाला है जिसके लिए आप रोज यहाँ बैठकर राह तकते हैं? रामनाथ जी ने चाय के कुल्हड़ को बेंच पर रखा और बड़े गर्व के साथ कहा मेरा बेटा है मन्नू, बहुत बड़ा अफसर बन गया है और बड़े शहर में रहता है, जब वह छोटा था तो हम दोनों इसी दुकान पर आकर एक ही कुल्हड़ से चाय पिया करते थे,आधा कुल्हड़ वह पीता था और आधा मैं पीता था, तब से मुझे आधे कुल्हड़ की ही आदत पड़ गई है। मन्नू के चेहरे पर एक हमदर्दी भरी मुस्कान आ गई और उसने कहा अच्छा तो बाबूजी आप यहाँ बैठकर अपने साहबजादे का इंतजार करते हैं कि वह किसी दिन आएगा और आपके साथ बैठकर यह आधी बची हुई चाय पूरे हक से पिएगा। रामनाथ जी की आँखों में चमक आ गई और उन्होंने सिर हिलाकर हाँ में जवाब दिया।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

एक करोड़ की ज्वेलरी चोरी पुलिस ने 5 हजार का इनाम रखा,रकम पर उठे सवाल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
सीतापुर के सराफा कारोबारी की स्कूटी से दिनदहाड़े करीब एक करोड़ रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग चोरी होने के छह दिन बाद भी पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। मामले में अब डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने आरोपी की गिरफ्तारी या उसकी सूचना देने वाले के लिए 5 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। हालांकि, करोड़ों की चोरी के मामले में घोषित इनाम की राशि को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। घटना 26 जुलाई की सुबह करीब 11:30 बजे की है। सीतापुर हाई स्कूल के पास स्थित श्री काशी विश्वनाथ ज्वेलर्स के संचालक अरुण देव सोनी दुकान खोलने पहुंचे थे। उन्होंने ज्वेलरी से भरा बैग स्कूटी पर रखा था। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति बैग लेकर फरार हो गया। बैग में करीब एक करोड़ रुपए मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बताए गए हैं। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन अब तक आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल

घटना शहर के व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े हुई। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आरोपी इतनी आसानी से बैग लेकर कैसे फरार हो गया। क्या इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे पर्याप्त नहीं थे, या उनकी निगरानी और विश्लेषण में कमी रही? पुलिस ने अभी तक आरोपी की तस्वीर या हुलिया सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे आम लोगों की मदद से पहचान आसान हो सके।

5 हजार का इनाम, क्या काफी है?

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी या उसकी सूचना देने वाले के लिए 5 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। लेकिन करीब एक करोड़ रुपए की चोरी के मामले में इतनी कम इनामी राशि को लेकर लोगों के बीच चर्चा है। आमतौर पर बड़ी वारदातों में अधिक इनाम घोषित कर सूचना तंत्र को सक्रिय करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इतनी राशि से पुलिस को अपेक्षित जनसहयोग मिल पाएगा। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा उपयोगी सूचना देने वाले को नियमानुसार पुरस्कृत किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

दो महीने बाद मवेशी तस्करी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार,झारखंड से दबोचा गया...तीनों आरोपी अब जेल में

संवाददाता-
बलरामपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
मवेशियों को कथित रूप से बूचड़खाने ले जाने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को सामरीपाठ पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। इस मामले में दो अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के साथ अब इस प्रकरण के तीनों आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं।पुलिस के अनुसार 4 जून 2026 की शाम डुमरपाठ के पास ग्रामीणों ने नौ गाय, बैल और बछड़ों को कथित रूप से मारते-पीटते हुए झारखंड की ओर ले जाते तीन लोगों को देखा था। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो एक आरोपी फरार हो गया, जबकि संजय सोनवानी और संजय कोरवा, दोनों निवासी अमटाही, को पकड़ लिया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया था कि मवेशी झारखंड के ओरसापाठ निवासी सद्दाम मियां के हैं और उसी के कहने पर उन्हें ले जाया जा रहा था। पुलिस ने प्रार्थी नागेश्वर यादव की शिकायत पर छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धाराओं 4, 6 और 10 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क) के तहत मामला दर्ज किया था। दोनों आरोपियों को 5 जून को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, जबकि मुख्य आरोपी सद्दाम हुसैन उर्फ सद्दाम मियां फरार था। करीब दो माह तक गिरफ्तारी से बचने के बाद मुख्य आरोपी ने 30 जुलाई को न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

दो महीने तक गिरफ्तारी से बचा रहा आरोपी : इस मामले में यह सवाल भी उठता है कि जब घटना के दिन ही अन्य दोनों आरोपियों ने मुख्य आरोपी का नाम पुलिस को बता दिया था, तब भी उसे गिरफ्तार करने में लगभग दो महीने का समय क्यों लग गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी झारखंड में लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसके कारण गिरफ्तारी में समय लगा। अब उसके जेल भेजे जाने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना आगे बढ़ा दी है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी अब भी फरार...पुलिस ने जब्त की लाइसेंसी बंदूक,संपत्ति कुर्की की तैयारी शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी तरुण जायसवाल की गिरफ्तारी के लिए सरगुजा पुलिस ने दबाव और बढ़ा दिया है। आरोपी के खिलाफ पहले 5 हजार रुपये के इनाम की घोषणा के बाद अब उसकी लाइसेंसी 12 बोर बंदूक जब्त कर ली गई है। वहीं, पुलिस ने आरोपी की चल-अचल संपत्ति की कुर्की की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके बावजूद आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। कोतवाली थाना में दर्ज इस मामले में बीएनएस की धारा 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 4 और 6 के तहत अपराध दर्ज है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार है। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर गठित विशेष टीम संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है और सूचना देने वाले के लिए 5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है।

बंदूक जब्त, लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी शुरू

पुलिस ने बताया कि आरोपी के नाम पर जारी लाइसेंसी 12 बोर डीबीबीएल बंदूक उसके परिजनों से बरामद कर जब्त कर ली गई है। साथ ही शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि विवेचना को प्रभावित होने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है।

अब संपत्ति पर भी शिकंजा

पुलिस ने राजस्व विभाग से आरोपी की चल और अचल संपत्तियों का विवरण मांगा है। ग्राम भफौली में आरोपी के नाम से जुड़ी संपत्तियों और कथित अतिक्रमित भूमि का भी सत्यापन कराया जा रहा है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

बड़ा सवाल : आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर क्यों?

घटना के बाद से पुलिस लगातार दबिश, इनाम की घोषणा, हथियार जब्ती और अब संपत्ति कुर्की जैसी कार्रवाई कर रही है। बावजूद इसके आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि जब पुलिस आरोपी के लाइसेंसी हथियार और संपत्ति तक पहुंच गई, तो आरोपी तक पहुंचने में देरी क्यों हो रही है। आमजन की नजर अब इस बात पर है कि पुलिस की सख्ती का परिणाम गिरफ्तारी के रूप में कब सामने आएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आरोपी को शरण देने या उसकी मदद करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी तथा आरोपी की गिरफ्तारी तक अभियान लगातार जारी रहेगा।

खुद को पत्रकार बताने वाला आरोपी गिरफ्तार, धोखाधड़ी और एससी-एसटी एक्ट के मामले में 14 अगस्त तक रिमांड

संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
खुद को पत्रकार बताने वाले संतोष सोनी को राजपुर पुलिस ने धोखाधड़ी और एससी-एसटी एक्ट के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी घटना के बाद से मोबाइल बंद कर झारखंड और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में ठिकाने बदल रहा था। मुखबिर की सूचना पर अंबिकापुर में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। न्यायालय ने आरोपी को 14 अगस्त तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार वन विभाग में बीट गार्ड राकेश प्रसाद लकड़ा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि जनवरी 2023 में संतोष सोनी ने पुरानी स्कॉर्पियो बेचने का सौदा 4.25 लाख रुपये में किया। आरोपी ने दो लाख चार हजार रुपये नकद लेने के बाद शेष 2.21 लाख रुपये का चेक दिया, जो बैंक में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण बाउंस हो गया। इसके बाद आरोपी लगातार भुगतान टालता रहा।

पैसे मांगने पर जातिसूचक गाली देने का आरोप : शिकायत के मुताबिक 12 मई 2026 को जब पीड़ित अपने साथी के साथ रकम मांगने आरोपी की दुकान पहुंचा तो आरोपी ने कथित तौर पर जातिसूचक गालियां दीं और धमकाते हुए भगा दिया। इसके बाद राजपुर थाना में बीएनएस की धारा 296 तथा एससी-एसटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

कई मामलों में पहले से आरोपी : पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पर पहले से कई धोखाधड़ी के मामले न्यायालय में लंबित हैं। आरोप है कि वह सामान उपलब्ध कराने या वाहन का सौदा करने के नाम पर लोगों से पैसे लेता था और भुगतान के लिए ऐसे बैंक खातों के चेक देता था, जिनमें पर्याप्त राशि नहीं होती थी। पुलिस के अनुसार बलरामपुर न्यायालय से उसके खिलाफ वारंट भी जारी था।

'कथित पत्रकार' शब्द क्यों?

पुलिस ने अपनी कार्रवाई में आरोपी को 'कथित पत्रकार' बताया है। इसका अर्थ यह है कि आरोपी स्वयं को पत्रकार बताता था, लेकिन उसकी पत्रकारिता से जुड़ी वैध मान्यता या आधिकारिक स्थिति की पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। इसलिए मामले में उसे पत्रकार नहीं, बल्कि खुद को पत्रकार बताने वाला आरोपी माना जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर उसके खिलाफ लंबित अन्य मामलों की भी जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

स्वर सम्राट मोहम्मद रफी को दी श्रद्धांजलि,सियानगुड़ी में गूंजे सदाबहार गीत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
अनामिका वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित सियानगुड़ी डे-केयर सेंटर में शुक्रवार को स्वर सम्राट मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि एवं संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने रफी के सदाबहार गीत प्रस्तुत कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्था सहयोगी श्रीमती जानकी सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में सियानगुड़ी के वरिष्ठ सदस्य श्याम सुंदर शर्मा ने मोहम्मद रफी के लोकप्रिय गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर उपस्थित वरिष्ठजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान रफी के भारतीय संगीत जगत में अतुलनीय योगदान को याद करते हुए सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर अनंत राम कोस्टा, रमेश चंद्र, रमेश दत्त मिश्रा, के.के. सिंह, सुशील श्रीवास्तव, चंद्रपाल सिंह, विजय शंकर सिंह, रामप्रवेश यादव, नर्मद सिंह, भोलाप्रसाद गुप्ता और लक्ष्मण देव सिंह सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संगीत शिक्षक विकास रजक तथा संस्था के कर्मचारी दुजेष्वरी पैकरा, सुदित कुशवाहा, विकास सिंह और कुश कुमार सिंह का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा संगीत के माध्यम से आनंद, आत्मीयता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। समापन पर सभी ने मोहम्मद रफी के अमर गीतों को सदैव प्रेरणादायक बताते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अवैध डीजल तस्करी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार,न्यायिक रिमांड पर भेजा गया...

संवाददाता-
बलरामपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र में अवैध डीजल परिवहन के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। यह कार्रवाई अंतरराज्यीय सीमा सागोबांध (उत्तर प्रदेश) से डीजल तस्करी के मामले में की गई। पुलिस के अनुसार 22 सितंबर 2025 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम पचावल पुलिया के पास घेराबंदी कर बोलेरो वाहन (क्रमांक P-70 BE-3092) को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर 18 प्लास्टिक जारकिनों में 540 लीटर डीजल बरामद किया गया। इस मामले में वाहन चालक नीरज कुमार (27) एवं संदीप कुमार (23), निवासी थाना बभनी, जिला सोनभद्र (उत्तर प्रदेश), को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 56/2025 के तहत धारा 287, 3(5) बीएनएस एवं 37 आवश्यक वस्तु अधिनियम में कार्रवाई की गई थी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के अनपरा क्षेत्र से कम कीमत पर डीजल लाकर छत्तीसगढ़ के सनावल थाना क्षेत्र स्थित बरवाही गांव में जाफर एवं नुरानी मियां को ऊंचे दामों पर बेचते थे। मामले में पहले नुरानी मियां को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका था।

स्कूल जाने वाले नाबालिग चला रहे वाहन तो सावधान! अब पहले काउंसलिंग,फिर चालान और कानूनी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
जिले में नाबालिगों द्वारा दोपहिया वाहन चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरगुजा पुलिस ने विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। पुलिस अब स्कूलों में पहुंचकर छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दे रही है। वहीं, नाबालिग के वाहन चलाते मिलने पर उसके अभिभावकों को बुलाकर पहले काउंसलिंग की जाएगी, इसके बाद भी सुधार नहीं होने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी और अन्य वैधानिक कार्रवाई होगी। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिले के सभी थाना-चौकी और यातायात पुलिस की टीमें स्कूलों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम चला रही हैं। अभियान के तहत मल्टीपरपस स्कूल और डी हिलॉक्स स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा, हेलमेट की अनिवार्यता और बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने के जोखिम के बारे में बताया गया। पुलिस ने जिले के सभी स्कूलों के प्राचार्यों और प्रधानपाठकों से भी कहा है कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस किसी भी छात्र-छात्रा को दोपहिया वाहन से स्कूल आने की अनुमति न दें। यदि कोई छात्र वाहन चलाते पाया जाता है तो इसकी जानकारी अभिभावकों को दी जाए। अभियान के दौरान पुलिस ने वाहन लेकर आने वाले छात्रों से ड्राइविंग लाइसेंस और हेलमेट की जांच भी की तथा उन्हें नियमों का पालन करने की समझाइश दी। पुलिस का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में नाबालिगों की जान बचाना और सुरक्षित यातायात संस्कृति विकसित करना है।

अभिभावकों के लिए पुलिस की अपील : सरगुजा पुलिस ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जागरूकता अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नाबालिग आदिवासी बालिका से दुष्कर्म के विरोध में भाजयुमो का प्रदर्शन,आरोपी का पुतला दहन कर सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले में नाबालिग आदिवासी बालिका के साथ हुए कथित दुष्कर्म की घटना के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोपी का पुतला दहन किया और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के परसा मंडल अध्यक्ष,पूर्व सरपंच तथा उनके परिजनों द्वारा पीड़िता के परिवार पर आर्थिक प्रलोभन देकर समझौते का दबाव बनाया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पीड़ित परिवार ने इस कथित दबाव को अस्वीकार करते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। भाजयुमो समलाया मंडल एवं परसा मंडल के कार्यकर्ताओं ने आरोपी तरुण जायसवाल के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए उसका पुतला दहन किया और कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान जिला महामंत्री विनोद हर्ष, महामंत्री अरुणा सिंह, जन्मेजय मिश्रा,रवि विश्वकर्मा,समीर श्रीवास्तव,अनीश सिंह,अविनाश मंडल, मंडल अध्यक्ष आयुष दुबे,रोहन मंडल सहित भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुष्कर्म मामले में आरोपी की राजनीतिक पहचान पर घमासान

कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों को बताया भ्रामक,कहा...आरोपी का भाजपा से रहा है संबंध,सार्वजनिक माफी की मांग...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।
नाबालिग आदिवासी बालिका से दुष्कर्म के मामले को लेकर अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। आरोपी को कांग्रेस कार्यकर्ता बताए जाने वाले भाजपा के आरोपों का जिला कांग्रेस कमेटी ने खंडन किया है। कांग्रेस ने दावा किया है कि आरोपी का संबंध पूर्व में भाजपा से रहा है और उसके भाजपा नेताओं के साथ संपर्क व तस्वीरें सार्वजनिक हैं। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से अधिवक्ता एवं मंडल अध्यक्ष सतीश बारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि बिना किसी दस्तावेजी प्रमाण के आरोपी को कांग्रेस कार्यकर्ता बताकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस ने मांगी भाजपा नेताओं से माफी

कांग्रेस का कहना है कि आरोपी की राजनीतिक पृष्ठभूमि को लेकर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि घटना जैसे संवेदनशील मामले में राजनीति करने के बजाय पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस ने भाजपा नेताओं से अपने आरोपों के लिए सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगने की मांग की है।

भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

गौरतलब है कि इससे पहले भाजपा नेताओं की ओर से आरोप लगाया गया था कि आरोपी कांग्रेस से जुड़ा हुआ है। भाजपा के इस आरोप के बाद कांग्रेस ने पलटवार करते हुए आरोपी के भाजपा से संबंध होने का दावा किया है। दोनों दलों के आरोपों के बाद मामला अब राजनीतिक विवाद का रूप लेता दिखाई दे रहा है। हालांकि आरोपी की वास्तविक राजनीतिक संबद्धता को लेकर दोनों पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस द्वारा कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच जारी है। पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आरोपी को कांग्रेस का कार्यकर्ता बताया गया था,उसका भाजपा से रहा है जुड़ाव

जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से अधिवक्ता एवं मंडल अध्यक्ष सतीश बारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा के उस आरोप का खंडन किया,जिसमें आरोपी को कांग्रेस का कार्यकर्ता बताया गया था। कांग्रेस का कहना है कि बिना किसी दस्तावेजी प्रमाण के इस तरह का आरोप लगाकर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस ने दावा किया कि आरोपी पूर्व में विभिन्न चुनावों में भाजपा से जुड़ा रहा है और भाजपा नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें व गतिविधियां सार्वजनिक हैं। कांग्रेस ने भाजपा नेताओं से सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करने की मांग की है। दोनों दलों के आरोपों के बीच दुष्कर्म का मामला अब राजनीतिक रंग लेता नजर आ रहा है। हालांकि आरोपी की राजनीतिक संबद्धता को लेकर दोनों पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है,जबकि मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

C M Y K

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा अभियान शुरू

दो माह तक चलेगा जनआंदोलन,घर-घर पहुंचेंगे कार्यकर्ता;उपभोक्ताओं से भरवाए जाएंगे आवेदन,बिजली कार्यालयों का करेंगे घेराव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेशभर में आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शनिवार से सरगुजा जिले में भी दो माह तक चलने वाले चरणबद्ध जनआंदोलन की शुरुआत हुई। जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आंदोलन की विस्तृत रूपरेखा जारी करते हुए प्रदेश सरकार की बिजली नीतियों पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने कहा कि बिजली आम जनता की मूलभूत आवश्यकता है, लेकिन वर्तमान में बिजली दरों में लगातार बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटर व्यवस्था के कारण उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ रही है। पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर अब सड़क से लेकर गांव-गांव तक संघर्ष करने का ऐलान किया है।

जनता की समस्याओं को लेकर घर-घर पहुंचेगी कांग्रेस

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता आदित्येश्वर सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियों का सीधा असर आम बिजली

उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती बिजली दरों से किसान, छोटे व्यापारी,मध्यम वर्गीय परिवार और गरीब उपभोक्ता सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं द्वारा अधिक बिल आने,मीटर व्यवस्था को लेकर असमंजस और अन्य समस्याओं की शिकायतें की जा रही हैं। कांग्रेस इन शिकायतों को केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाएगी,बल्कि उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं को एकत्र कर सरकार और बिजली विभाग तक पहुंचाने का काम करेगी। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता आम लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनसे आवेदन भरवाएंगे। इन आवेदनों के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं की परेशानियों का दस्तावेज तैयार किया जाएगा।

2 अगस्त से बूथ, गांव और वार्ड स्तर पर अभियान

कांग्रेस नेता आदित्येश्वर सिंहदेव ने बताया कि आंदोलन के पहले चरण में जिला मुख्यालयों पर प्रेसवार्ता कर अभियान की शुरुआत की गई है। इसके बाद 2 अगस्त से बूथ, गांव, वार्ड और पंचायत स्तर पर जनसंपर्क अभियान शुरू होगा। इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों से संवाद करेंगे। बिजली बिल में वृद्धि, स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतें और उपभोक्ताओं की अन्य समस्याओं को लेकर आवेदन भरवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान की गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा,ताकि अधिक से अधिक लोगों तक आंदोलन की जानकारी पहुंच सके और आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

ब्लॉक से जिला स्तर तक सौंपे जाएंगे आवेदन

कांग्रेस ने आंदोलन की आगामी रणनीति बताते हुए कहा कि घर-घर से प्राप्त आवेदनों को पहले ब्लॉक कांग्रेस समितियों के पास जमा किया जाएगा। इसके बाद जिला कांग्रेस समितियां बिजली विभाग के कार्यालयों का घेराव कर अधिकारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपेंगी। कांग्रेस नेताओं के अनुसार,आवेदन सौंपने के दौरान बिजली विभाग से उसकी प्राप्ति रसीद भी ली जाएगी, ताकि जनता की शिकायतों का रिकॉर्ड तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि यदि सरकार और विभाग द्वारा इसके बाद भी उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को प्रदेश स्तर पर और तेज किया जाएगा। इसके तहत मुख्यमंत्री निवास घेराव जैसे बड़े कार्यक्रम भी किए जाएंगे।

भाजपा सरकार पर लगाए जनविरोधी नीतियों के आरोप

प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार जनता को राहत देने के बजाय बिजली को महंगा कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली दरों में वृद्धि से हर वर्ग प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। पार्टी ने मांग की कि बिजली दरों में की गई वृद्धि पर पुनर्विचार किया जाए और स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी और जब तक उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिलेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जिला कांग्रेस ने तैयार की आंदोलन की रणनीति

प्रेसवार्ता में कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि पूरे जिले में संगठन के माध्यम से चलाया जाएगा। ब्लॉक,मंडल,बूथ और पंचायत स्तर तक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि बिजली जैसे सीधे जनता से जुड़े मुद्दे को लेकर व्यापक जनसमर्थन जुटाया जाएगा और सरकार पर जनहित में निर्णय लेने का दबाव बनाया जाएगा।

प्रेसवार्ता में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक,जेपी श्रीवास्तव,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता,पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में छह दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम संपन्न,नई छात्राओं को महाविद्यालयीन जीवन से कराया परिचित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में सत्र 2026-27 की स्नातक प्रथम सेमेस्टर की नवप्रवेशित छात्राओं के लिए 27 जुलाई से 1 अगस्त तक छह दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण,अनुशासन,राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विभिन्न छात्र हितैषी गतिविधियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और प्रार्थना गीत के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. सी. शांता जोसेफ ने छात्राओं का स्वागत करते हुए उच्च शिक्षा के महत्व, अनुशासित जीवन,निरंतर अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया। छह दिनों तक चले कार्यक्रम में छात्राओं को महाविद्यालय की नियमावली, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020),परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय एवं आईसीटी सुविधाएं,एंटी-रैगिंग व्यवस्था, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, महिला सुरक्षा,करियर मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास,एनसीसी,एनएसएस,खेल गतिविधियों तथा नैतिक शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रेरक व्याख्यान,समूह गतिविधियां, प्रतिभा प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी और शैक्षणिक वीडियो के माध्यम से छात्राओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों ने छात्राओं को शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी देते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया।

समापन अवसर पर प्राचार्य ने छात्राओं से नियमित अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने महाविद्यालयीन जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में संयोजक डॉ. नीना गुप्ता,दिव्या सिंह तथा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का सक्रिय सहयोग रहा। बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

पालने से उठाकर 5 माह की मासूम को बंदर ने पानी भरे ड्रम में फेंका

परिजनों की तत्परता से बची बच्ची की जान,प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर,गांव में दहशत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजपुरी कला में शुक्रवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। बस्ती में घुसे एक जंगली बंदर ने घर के अंदर पालने में सो रही 5 माह की मासूम बच्ची को उठाकर पानी से भरे ड्रम में फेंक दिया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और उसे ड्रम से बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया है।

बस्ती में बंदर के घुसते ही मची अफरा-तफरी : जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार शाम करीब 4 बजे की है। ग्राम रजपुरी कला में एक जंगली बंदर अचानक

बस्ती में घुस आया। बंदर को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए घरों में छिप गए। इसी दौरान बंदर एक घर के अंदर पहुंच गया,जहां 5 माह की मासूम बच्ची पालने में सो रही थी। बताया जा रहा है कि बंदर ने अचानक बच्ची को पालने से उठाया और घर में रखे पानी से भरे प्लास्टिक के ड्रम में डाल दिया। इसके बाद वह वहां से भाग गया।

बच्ची के रोने की आवाज सुनकर पहुंचे परिजन : घटना के कुछ ही देर बाद बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन दौड़कर पहुंचे। उन्होंने देखा कि बच्ची पानी भरे ड्रम में पड़ी हुई थी। परिजनों ने बिना देर किए उसे बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्ची का प्राथमिक उपचार किया। स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया।

मासूम की पहचान

घायल बच्ची की पहचान त्रिशिका प्रजापति (5 माह), पिता सुदर्शन प्रजापति, निवासी ग्राम रजपुरी कला,थाना लखनपुर के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है, वहीं गांव के लोग भी इस घटना से भयभीत हैं।

वन विभाग से बंदर पकड़ने की मांग

घटना के बाद ग्रामीणों में जंगली बंदर को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि उत्पाती बंदर को जल्द पकड़ा जाए और बस्ती क्षेत्र में वन्य जीवों से सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाएं।

सूरजपुर में किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य

कलेक्टर ने जारी किया आदेश,बिना सत्यापन किराये पर मकान देने पर होगी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक की अपील-सुरक्षित,शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त सूरजपुर के लिए प्रशासन का सहयोग करें

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है,पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के प्रतिवेदन पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रेना जमील ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस),2023 की धारा-163 के तहत आदेश जारी कर जिले में किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिया है, यह आदेश जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है,जिला प्रशासन का मानना है कि किरायेदारों का सत्यापन नहीं होने के कारण कई बार आपराधिक तत्व अपनी पहचान छिपाकर वारदातों को अंजाम देते हैं, ऐसे मामलों की रोकथाम और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

बिना पुलिस सत्यापन नहीं दे सकेंगे किराये पर मकान- जारी आदेश के अनुसार अब जिले में कोई भी व्यक्ति अपना मकान, भवन, दुकान या अन्य परिसर किराये पर देने से पहले संबंधित किरायेदार का पूरा विवरण निकटतम थाना या चौकी में उपलब्ध कराएगा,मकान मालिक को किरायेदार का नाम,स्थायी पता, मोबाइल नंबर,पहचान पत्र,अन्य आवश्यक जानकारी पुलिस को उपलब्ध करानी होगी,पुलिस सत्यापन के बाद ही किरायेदारी प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी।

होटल,लॉज और ढाबा संचालकों के लिए भी निर्देश- आदेश केवल मकान मालिकों तक सीमित नहीं है,जिले के सभी होटल, लॉज,धर्मशाला,ढाबा एवं निजी संस्थानों को भी अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों तथा ठहरने वाले व्यक्तियों का आवश्यक विवरण संबंधित थाना में उपलब्ध कराना होगा,यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल,लॉज या अन्य प्रतिष्ठान में ठहरता है या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है, तो इसकी तत्काल सूचना पुलिस को देना अनिवार्य होगा।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में अहम कदम- प्रशासन का कहना है कि पिछले वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं,जहां अपराधी किरायेदार बनकर या फर्जी पहचान के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर रहकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं,किरायेदार सत्यापन की अनिवार्यता से अपराधियों की पहचान आसान होगी, संदिग्ध गतिविधियों पर समय रहते निगरानी रखी जा सकेगी, पुलिस को जांच में सुविधा मिलेगी, कानून-व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनेगी।

आदेश उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई- कलेक्टर रेना जमील ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश जनहित, शांति व्यवस्था एवं नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है,आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस),2023 की धारा-223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी,यह आदेश जारी होने की तिथि से 60 दिनों तक अथवा अगले आदेश तक प्रभावशील रहेगा।

पुलिस अधीक्षक ने की सहयोग की अपील- पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने जिले के सभी मकान मालिकों, होटल संचालकों,व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं निजी संस्थानों से अपील की है कि वे इस व्यवस्था को केवल कानूनी औपचारिकता न समझें,बल्कि इसे सामाजिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम मानें, उन्होंने कहा कि किरायेदारों का सत्यापन अपराधों की रोकथाम का प्रभावी उपाय है और इससे समाज में सुरक्षा का वातावरण मजबूत होगा,उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

रफ़ी की याद में सजी सुरों की महफिल, 'एक शाम रफ़ी के नाम' का 13वाँ आयोजन रहा यादगार

फ्रेंड्स क्लब सूरजपुर ने दी सुर सम्राट मोहम्मद रफी को संगीतमय श्रद्धांजलि, स्थानीय कलाकारों से लेकर बच्चों तक ने बांधा समां

-संवाददाता-
सूरजपुर 01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफ़ी की पुण्यतिथि पर फ्रेंड्स क्लब सूरजपुर द्वारा आयोजित 'एक शाम, रफ़ी के नाम' का 13वाँ भव्य आयोजन संगीत प्रेमियों के लिए अविस्मरणीय बन गया, प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 31 जुलाई को आयोजित इस संगीतमय संध्या में रफ़ी साहब के अमर गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी,जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक,पत्रकार एवं बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही,कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन तथा सुर सम्राट मोहम्मद रफ़ी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया, इसके बाद कलाकारों ने रफ़ी साहब के कालजयी गीतों की ऐसी प्रस्तुति दी कि पूरा सभागार तालियों की गूंज से गूंज उठा।

स्थानीय कलाकारों ने बिखेरा सुरों का जादू- संगीत संध्या में अधिवक्ता मंजित सिंह, अकरम खान, वेद प्रकाश मेहता, रमेश गिरि, अनिल सोनी, अरमान खान, दीपक सोनी, इकबाल अंसारी, शिवनाथ विश्वकर्मा, श्रीमती चंदा प्रजापति, श्रीमती विनीता सिन्हा, सुश्री आरती रावत एवं सुश्री ज्योति रावत (कोतमा, मध्यप्रदेश) तथा रेखा (चिरमिरी) सहित अनेक कलाकारों ने रफ़ी साहब के एकल और युगल गीत प्रस्तुत किए, प्रत्येक प्रस्तुति को दर्शकों ने भरपूर सराहा।

नई प्रतिभाओं को मिला मंच- फ्रेंड्स क्लब की यह परंपरा रही है कि वह स्थानीय बच्चों और युवा प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराता है, इस वर्ष भी पुलिस लाइन सूरजपुर के भाई-बहन सुश्री रश्मी और सत्यम ने 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' सहित कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया।

अतिथियों ने भी निभाई सुरों की संगत- कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि अतिथि भी केवल दर्शक बनकर नहीं रहे, जिला अस्पताल के पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.एस. सिंह तथा नगर पालिका सूरजपुर के

उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल ने भी मंच संभालते हुए रफ़ी साहब के गीतों की प्रस्तुति दी। उनके गायन ने कार्यक्रम में नया उत्साह भर दिया।

चिरमिरी ऑर्केस्ट्रा ने बढ़ाया कार्यक्रम का आकर्षण- चिरमिरी से आमंत्रित संतोष सारथी ऑर्केस्ट्रा टीम ने अपने सधे हुए संगीत से कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बना दिया। ढोलक पर संतोष सारथी, गिटार पर अमन, ऑर्गन पर पिंटू,पैड पर सुजल एवं अंजन,जबकि कांगो पर आजाद भाई ने शानदार संगत देकर रफ़ी के अमर गीतों को जीवंत बना दिया।

विशिष्ट अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय मरकाम, डीएसपी रामश्रृंगार यादव,अधिवक्ता एवं कांग्रेस नेता अश्विनी सिंह,मनोज डालमिया,वक्फ बोर्ड के पूर्व सदस्य इस्माइल खान,पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी,रवि सोनी,पत्रकार राजेश सोनी एवं रितेश टेकाम सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, कार्यक्रम का सफल संचालन जयनाथ सिंह केराम ने किया।

संगीत के माध्यम से जीवंत हुई रफ़ी की विरासत- कार्यक्रम में प्रस्तुत प्रत्येक गीत ने यह एहसास कराया कि मोहम्मद रफ़ी केवल एक गायक नहीं,बल्कि भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर हैं, उनकी मधुर आवाज़ आज भी हर पीढ़ी के दिलों में जीवित है,फ्रेंड्स क्लब सूरजपुर का यह आयोजन न केवल उन्हें श्रद्धांजलि देने का माध्यम बना,बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय फिल्म संगीत की समृद्ध विरासत से जोड़ने का भी सफल प्रयास साबित हुआ।

तीन वर्षों से बंद पड़ा निजी ट्रांसफार्मर हटाया गया

नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल की पहल लाई रंग,फौजी गली के लोगों को मिली बड़ी राहत

-संवाददाता-
विश्रामपुर/सूरजपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत शिवनंदनपुर के अग्रसेन वार्ड स्थित फौजी गली में पिछले लगभग तीन वर्षों से बंद पड़े निजी ट्रांसफार्मर को आखिरकार हटा दिया गया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल की पहल और लगातार किए गए पत्राचार के बाद छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) ने आवश्यक जांच पूरी कर ट्रांसफार्मर हटाने की कार्रवाई की। ट्रांसफार्मर हटने से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है।

तीन वर्षों से बना हुआ था परेशानी का कारण- स्थानीय लोगों के अनुसार फौजी गली में सड़क से सटी शासकीय भूमि पर स्थापित यह निजी ट्रांसफार्मर लंबे समय से बंद पड़ा था,निष्क्रिय होने के बावजूद इसे हटाया नहीं गया था,जिससे आवागमन में असुविधा के साथ-साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी,क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई बार लोग इसकी वजह से दुर्घटनाग्रस्त हुए। पूर्व में एक्सेस वोल्टेज की घटना के दौरान बिजली विभाग का एक कर्मचारी भी हादसे का शिकार हुआ था।

चुनाव में भी बना था प्रमुख मुद्दा- नगर पंचायत चुनाव के दौरान वार्डवासियों ने विभिन्न प्रत्याशियों के सामने इस ट्रांसफार्मर को हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई थी,स्थानीय नागरिकों का कहना था कि वर्षों से बंद पड़े इस ट्रांसफार्मर के कारण सुरक्षा

संबंधी खतरे बने हुए हैं और इसे तत्काल हटाया जाना चाहिए,चुनाव के दौरान यह मुद्दा वार्ड में प्रमुख जनसमस्याओं में शामिल रहा।

उपाध्यक्ष बनने के बाद शुरू की पहल- नगर पंचायत उपाध्यक्ष बनने के बाद अंशुल गोयल ने इस मामले को प्राथमिकता देते हुए सीएसपीडीसीएल के कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंता को पत्र लिखकर ट्रांसफार्मर हटाने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने कलेक्टर सूरजपुर एवं एसडीएम को भी पत्र भेजकर समस्या से अवगत कराया और शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

विभागीय जांच के बाद हटाया गया ट्रांसफार्मर- सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण एवं आवश्यक तकनीकी जांच करने के बाद ट्रांसफार्मर हटाने का निर्णय लिया, विभागीय टीम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत ट्रांसफार्मर को हटाकर क्षेत्र को संभावित खतरे से मुक्त किया।

स्वास्थ्य के साथ समझौता नहीं : छत्तीसगढ़ में अमानक पनीर और भ्रामक डेयरी एनालॉग उत्पादों पर सख्त प्रतिबंध

राजपत्र में अधिसूचना जारी...अब नकली दूध जैसे उत्पादों के निर्माण से लेकर बिक्री तक पर रोक...

- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल, उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम...
- स्वास्थ्य के साथ समझौता नहीं : छत्तीसगढ़ में भ्रामक डेयरी एनालॉग उत्पादों पर बड़ा प्रहार...
- राज्य सरकार ने लागू किया प्रतिबंध,अब नकली 'दूध जैसे' उत्पादों की बिक्री पर सख्ती...
- कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल... उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय

-रवि सिंह-

रायपुर/एमसीबी,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है,राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में ऐसे डेयरी एनालॉग अथवा गैर-दुग्ध किंतु दुग्ध उत्पादों के समान दिखने वाले खाद्य पदार्थों के निर्माण,प्रसंस्करण,भंडारण,परिवहन, वितरण एवं विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है,जो वास्तविक दुग्ध उत्पाद नहीं हैं,लेकिन अपनी पैकेजिंग, लेबलिंग अथवा प्रस्तुति के माध्यम से उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी 31 जुलाई 2026 के छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में इस संबंध में अधिसूचना प्रकाशित की गई है,आदेश के अनुसार यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 30(2)(क) एवं धारा 18 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए की गई है, यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब बाजार में दूध,पनीर,घी, मक्खन,क्रीम और अन्य डेयरी उत्पादों के नाम पर बड़ी संख्या में ऐसे उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा, वनस्पति तेल अथवा अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया जाता है,ऐसे उत्पाद कई बार अपनी पैकेजिंग और प्रस्तुति से उपभोक्ताओं को भ्रमित कर देते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पहले ही दिए थे सख्त संकेत

राज्य के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा,पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पूर्व में ही स्पष्ट कर दिया था कि जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा, उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेशवासियों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में अब सरकार ने यह बड़ा कदम उठाया है,मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री श्री जायसवाल लगातार खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय प्रदेश में खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण को नई दिशा देगा।

क्या हैं डेयरी एनालॉग उत्पाद?

डेयरी एनालॉग ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो देखने,पैकिंग और नाम से दूध,पनीर,घी,मक्खन या अन्य दुग्ध उत्पादों जैसे प्रतीत होते हैं,लेकिन वास्तव में इनमें दूध की जगह वनस्पति वसा,वनस्पति तेल या अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया जाता है,ऐसे उत्पाद यदि स्पष्ट रूप से अपनी वास्तविक पहचान नहीं बताते और उपभोक्ता को भ्रमित करते हैं तो यह खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता अधिकारों दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन जाते हैं।

किन उत्पादों पर रहेगा प्रतिबंध?

राजपत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंध विशेष रूप से उन उत्पादों पर लागू होगा जो वास्तविक दुग्ध उत्पाद नहीं हैं,जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा, वनस्पति तेल अथवा अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया गया है,जिनकी पैकेजिंग,लेबलिंग अथवा प्रस्तुति उपभोक्ता को यह विश्वास दिलाती है कि वह वास्तविक दुग्ध उत्पाद खरीद रहा है,ऐसे उत्पाद जिनकी बिक्री भ्रामक तरीके से की जाती है,हालांकि फ्रोजन डेजर्ट,प्रोसेस्ड चीज और मिक्स्ड फैट स्प्रेड जैसे वे उत्पाद, जो नियमानुसार निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं और जिनकी सही लेबलिंग की गई है,इस प्रतिबंध के दायरे से बाहर रहेंगे।

स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ पर सरकार की सख्ती

विशेषज्ञों का मानना है कि कई बार उपभोक्ता आकर्षक पैकेजिंग और नाम देखकर ऐसे उत्पाद खरीद लेते हैं, जिन्हें वे दूध या दुग्ध उत्पाद समझते हैं,जबकि वास्तविकता में उनमें दूध की मात्रा नगण्य होती है अथवा बिल्कुल नहीं होती,ऐसे उत्पाद बच्चों के पोषण को प्रभावित कर सकते हैं,बुजुर्गों और मरीजों के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं, उपभोक्ताओं के साथ आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी धोखा साबित हो सकते हैं,इसी खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने यह प्रतिबंध लागू किया है।

किन उत्पादों को प्रतिबंध से बाहर रखा गया है?

राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ उत्पाद इस प्रतिबंध के दायरे में नहीं आएंगे, क्योंकि उनके लिए अलग खाद्य मानक निर्धारित हैं,इनमें शामिल हैं फ्रोजन डेजर्ट,प्रोसेस्ड चीज, मिक्स्ड फैट स्प्रेड बशर्ते वे भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के निर्धारित मानकों का पालन करते हों और उनकी लेबलिंग पूरी तरह स्पष्ट एवं नियमानुसार हो।

अमानक पनीर पर विशेष फोकस

हाल के वर्षों में बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसा पनीर उपलब्ध होने की शिकायतें सामने आती रही हैं जिसमें दूध के बजाय वनस्पति वसा अथवा अन्य सस्ते विकल्पों का उपयोग किया जाता है,ऐसे पनीर—पोषण की दृष्टि से कमजोर हो सकते हैं, उपभोक्ताओं के साथ धोखा साबित हो सकते हैं,बच्चों एवं मरीजों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं,इसी कारण सरकार ने विशेष रूप से अमानकीकृत पनीर जैसे उत्पादों पर सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया है।

खाद्य कारोबारियों को सख्त चेतावनी

सरकार ने स्पष्ट किया है कि अधिसूचना लागू होने के बाद किसी भी निर्माता,थोक व्यापारी,वितरक या विक्रेता द्वारा प्रतिबंधित उत्पादों का कारोबार पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी,खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को पूरे प्रदेश में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं,निरीक्षण के दौरान—निर्माण इकाइयों की जांच होगी,गोदामों का निरीक्षण होगा,बाजार से नमूने लिए जाएंगे,प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण कराया जाएगा,दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत-राज्य सरकार ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को निर्देश दिए हैं कि पूरे प्रदेश में इस आदेश का कड़ाई से पालन कराया जाए,अब संबंधित अधिकारी निर्माण इकाइयों की जांच करेंगे,गोदामों का निरीक्षण करेंगे, परिवहन और वितरण व्यवस्था पर नजर रखेंगे,बाजार में बिक रहे संदिग्ध उत्पादों के नमूने लेकर परीक्षण करेंगे, नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करेंगे।

खाद्य सुरक्षा कानून के तहत उठाया गया कदम-सरकार ने यह निर्णय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम,2006 के तहत लिया है, अधिसूचना में कहा गया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से ऐसे उत्पादों का नियंत्रण आवश्यक है जो अपनी प्रस्तुति के माध्यम से उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं, राजपत्र के अनुसार यह प्रतिबंध अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रभावी हो गया है और यह एक वर्ष अथवा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा इस विषय पर अंतिम मानक अधिसूचित किए जाने अथवा राज्य सरकार द्वारा आदेश में संशोधन/निरस्तीकरण किए जाने तक प्रभावी रहेगा।

प्रदेश में खाद्य सुरक्षा को मिलेगा नया आधार-खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है,इससे बाजार में नकली और भ्रामक डेयरी उत्पादों पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा लोगों को शुद्ध और मानक आधारित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

जनस्वास्थ्य सर्वोपरि

छत्तीसगढ़ सरकार का यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है,आज जब बाजार में आकर्षक पैकेजिंग के माध्यम से उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले उत्पादों की संख्या बढ़ रही है,ऐसे समय में यह कदम लोगों को सुरक्षित,शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है,यदि इस आदेश का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन होता है तो निश्चित रूप से प्रदेश में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी तथा उपभोक्ताओं का भरोसा भी बढ़ेगा।

मुख्य बिंदु (हाइलाइट्स)

- पूरे छत्तीसगढ़ में भ्रामक डेयरी एनालॉग उत्पादों पर तत्काल प्रतिबंध।
- अमानक पनीर,क्रीम,मक्खन जैसे उत्पाद सरकार के रडार पर।
- दूध की जगह वनस्पति वसा का उपयोग कर भ्रम पैदा करने वाले उत्पादों पर सख्ती।
- निर्माण,भंडारण,परिवहन,वितरण और बिक्री—सभी पर रोक।
- खाद्य एवं औषधि प्रशासन करेगा विशेष जांच अभियान।
- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल को जनस्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।
- उद्देश्य—प्रदेशवासियों को सुरक्षित, शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना तथा उपभोक्ताओं को भ्रामक खाद्य उत्पादों से संरक्षण देना।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक युवाओं के हित में ऐतिहासिक कदम : शिवनाथ यादव

भाजपा प्रदेश मंत्री बोले...कठोर कानून से पेपर लीक और परीक्षा माफिया पर लगेगा प्रभावी अंकुश

पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और ईमानदार अभ्यर्थियों के हितों की सुरक्षा को बताया केंद्र सरकार की प्राथमिकता

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

भाजपा जिला प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री शिवनाथ यादव ने लोकसभा में पारित लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के हित में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम बताया है,उन्होंने कहा कि यह संशोधन प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, प्रश्नपत्र लीक,नकल और परीक्षा माफिया पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा,शिवनाथ यादव ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों-करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ी होती हैं। ऐसे में प्रश्नपत्र लीक और संगठित परीक्षा अपराध न केवल मेहनती अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करते हैं,बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं,उन्होंने कहा कि संशोधित कानून के तहत ऐसे अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है,जिससे परीक्षा माफिया और अनियमितताओं में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इस संशोधन से परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों और सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी बढ़ेगी,जिससे भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी,उत्तरदायी और विश्वसनीय बनेगी,उनका कहना था कि इससे युवाओं का परीक्षा व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत होगा तथा योग्य अभ्यर्थियों को उनकी मेहनत के अनुरूप निष्पक्ष अवसर प्राप्त होंगे, शिव नाथ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, कौशल विकास,रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रणाली को मजबूत करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है,उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और परिश्रम के आधार पर समान अवसर मिले,उन्होंने विश्वास जताया कि लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक,2026 ईमानदार प्रतिभाओं की सुरक्षा करने, परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ाने तथा परीक्षा संबंधी अनियमितताओं पर प्रभावी रोक लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

अवैध कब्जे,सुरक्षा खतरे और कथित अवैध गतिविधियों की शिकायत पर प्रशासन की चुप्पी से उठे सवाल

7 जुलाई को कलेक्टर जनदर्शन में सौंपा गया था आवेदन,मोहल्लेवासियों के हस्ताक्षर भी लगाए गए,फिर भी कार्रवाई का इंतजार

-संवाददाता-

खड़गवां (एमसीबी),01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश सरकार सुशासन,पारदर्शिता और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का दावा करती है, इसी उद्देश्य से जिला स्तर पर नियमित कलेक्टर जनदर्शन आयोजित किए जाते हैं,ताकि आम नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकें और उनका समयबद्ध निराकरण हो सके. लेकिन मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के खड़गवां से सामने आए एक मामले ने जनदर्शन व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वार्ड क्रमांक 13 निवासी मुखलाल विश्वकर्मा ने 7 जुलाई 2026 को कलेक्टर जनदर्शन में लिखित आवेदन देकर पड़ोसी पर अवैध कब्जे का प्रयास, परिवार की सुरक्षा को खतरा,विवाद तथा क्षेत्र में कथित अवैध गतिविधियों की शिकायत की थी। आवेदन के साथ मोहल्ले के कई लोगों के हस्ताक्षरयुक्त समर्थन पत्र भी सौंपा गया था। लेकिन शिकायत दर्ज होने के 24 दिन बाद भी शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्हें किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है।

क्या है पूरा मामला?-शिकायतकर्ता मुखलाल विश्वकर्मा के अनुसार उनके पड़ोसी रामलाल केसरवानी द्वारा उनके मकान से लगी भूमि के समीप मिट्टी डालकर कथित रूप से अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, उनका आरोप है कि लगातार मिट्टी डाले जाने से उनके मकान की दीवार पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे दीवार गिरने की आशंका बनी हुई है,यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, शिकायतकर्ता का कहना है कि यह केवल भूमि विवाद नहीं,बल्कि उनके परिवार की सुरक्षा का भी मामला है।

मारपीट और धमकी के भी लगाए आरोप-जनदर्शन में दिए गए आवेदन में शिकायतकर्ता ने यह भी उल्लेख किया है कि इस विवाद के दौरान उनके साथ कथित रूप से धमकी,विवाद और मारपीट जैसी घटनाएं भी हुई हैं,उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कथित अवैध गतिविधियों की जांच की भी मांग-आवेदन में क्षेत्र में शराब एवं गांजा बेचने जैसी कथित अवैध गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया है, शिकायतकर्ता ने इन गतिविधियों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, हालांकि इन आरोपों की अभी तक किसी सक्षम जांच एजेंसी द्वारा पुष्टि नहीं हुई है, इनकी सत्यता केवल अधिकृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मोहल्लेवासियों ने भी दिया समर्थन-शिकायतकर्ता का दावा है कि यह केवल उनका व्यक्तिगत विवाद नहीं है, उन्होंने आवेदन के साथ मोहल्ले के कई लोगों के हस्ताक्षर भी प्रशासन को सौंपे थे, जिससे यह दर्शाया जा सके कि स्थानीय स्तर पर भी इस मामले को लेकर चिंता है, इसके बावजूद यदि जांच आगे नहीं बढ़ी है, तो इससे स्थानीय लोगों में भी असंतोष दिखाई दे रहा है।

जनदर्शन की विश्वसनीयता पर भी सवाल-जनदर्शन व्यवस्था का उद्देश्य लोगों की शिकायतों का शीघ्र समाधान करना है,स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जनदर्शन में दर्ज शिकायतें भी कई सप्ताह तक लंबित रहती हैं और शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी नहीं मिलती,तो लोगों का प्रशासनिक व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है।

स्थानीय लोगों की मांग-क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि पूरे मामले का तत्काल मौके पर निरीक्षण कराया जाए, आवश्यक होने पर राजस्व विभाग से सीमांकन कराया जाए,शिकायतकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए,कथित अवैध गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

24 दिन बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि यदि शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज होकर संबंधित विभागों को भेजी गई थी, तो अब तक क्या राजस्व विभाग ने मौके का निरीक्षण किया? क्या भूमि का सीमांकन कराया गया? क्या नगर पंचायत अथवा संबंधित विभाग ने अवैध निर्माण की जांच की? क्या पुलिस ने शिकायतकर्ता की सुरक्षा को लेकर कोई कदम उठाया? क्या शिकायत पर कोई जांच रिपोर्ट तैयार हुई? यदि कार्रवाई हुई है तो उसकी जानकारी शिकायतकर्ता को क्यों नहीं दी गई?

यदि शिकायत सही है तो देरी गंभीर हो सकती है-

यदि शिकायतकर्ता के आरोप सही पाए जाते हैं, तो समय पर कार्रवाई नहीं होना भविष्य में किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है, वहीं यदि जांच में आरोप निराधार साबित होते हैं,तो प्रशासन को भी स्पष्ट रूप से अपनी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए,ताकि अनावश्यक विवाद समाप्त हो सके।

अब प्रशासन की अगली कार्रवाई पर निगाह

फिलहाल यह मामला प्रशासनिक कार्रवाई की प्रतीक्षा में है, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज इस शिकायत पर संबंधित विभाग कब तक कार्रवाई करते हैं और शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच किस निष्कर्ष तक पहुंचती है।

चंदहा-बंशीपुर में तीन वर्षों से ठप पड़ा विद्युतीकरण कार्य,

ग्रामीणों में भारी नाराजगी

बार-बार मांग के बाबजूद नहीं जाग रहा प्रशासन, अधूरे कार्य से वनांचल के ग्रामीण परेशान

- क्या पिछली सरकार में स्वीकृत विकास कार्य राजनीति का शिकार हो रहे?
- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मिली थी स्वीकृति, आधे से अधिक कार्य हो चुका था पूरा
- सौर ऊर्जा व्यवस्था भी बढ़ती मांग के अनुरूप नहीं दे पा रही पर्याप्त बिजली

पोल लगे, तार खिंचे, 11 केवी लाइन तैयार

फिर भी नहीं पहुंची बिजली!

तीन वर्षों से अधूरा विद्युतीकरण....अंधेरे में जीने को मजबूर वनांचल के हजारों ग्रामीण

चंदहा,बंशीपुर,कचोहर,नवाटोला सहित कई गांवों में पोल,तार और 11 केवी लाइन तैयार,फिर भी नहीं जली बिजली

क्या पूर्व सरकार में स्वीकृत विकास कार्य राजनीति का शिकार हो गए? ग्रामीणों का आरोप—विभागीय उदासीनता से रुका काम,जल्द बिजली नहीं मिली तो होगा जनआंदोलन

राजन पाण्डेय

बैकुंठपुर (कोरिया), 01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के वनांचल क्षेत्र के कई गांव नियमित विद्युत सुविधा का इंतजार कर रहे हैं, विडंबना यह है कि इन गांवों तक बिजली पहुंचाने की योजना स्वीकृत हो चुकी है,करोड़ों रुपये की लागत से अधिकांश कार्य भी पूरा कर लिया गया, बिजली के खंभे खड़े हो गए,तार भी खिंच गए,11 केवी लाइन भी तैयार कर दी गई,लेकिन ट्रांसफार्मर नहीं लग सके और घरों तक कनेक्शन नहीं पहुंच पाया,परिणामस्वरूप चंदहा,बंशीपुर, कचोहर,नवाटोला,कदना तथा आसपास के कई गांव आज भी अंधेरे और अधूरे विकास के बीच जीवन गुजारने को मजबूर हैं,ग्रामीणों का कहना है कि लगभग दो से तीन वर्षों से विद्युतीकरण का कार्य पूरी तरह ठप्प पड़ा है, कई बार अधिकारियों,जनप्रतिनिधियों और बिजली विभाग से मांग की गई, लेकिन आश्वासन के अलावा कोई ठोस पहल नहीं हुई।

घटती-घटना की खबर के बाद कई गांवों में जली बिजली-ग्रामीण बताते हैं कि कुछ माह पूर्व दैनिक 'घटती-घटना' द्वारा इस मुद्दे को लगातार प्रमुखता से उठाया गया था, इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने भी विभागीय अधिकारियों से चर्चा की और परिणामस्वरूप मेण्ड्रा,लोलकी,कछड़ी, तंजरा,ठाकुरहथी,छिंदुरा और भगवतपुर जैसे कई गांवों में बिजली आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई,इन गांवों में भी लंबे समय तक कार्य अधूरा पड़ा था,लेकिन जनदबाव बढ़ने के बाद विभाग ने शेष कार्य पूरा कर विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी, ग्रामीणों का कहना है कि जब अन्य गांवों में बिजली पहुंच सकती है तो चंदहा और बंशीपुर के साथ भेदभाव क्यों?

पहली बार मिली थी नियमित बिजली की उम्मीद

वनांचल के इन गांवों में वर्षों तक बिजली केवल सपना रही, ग्रामीणों के अनुसार पूर्व विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों से तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दौरान इन विद्युतविहीन गांवों के विद्युतीकरण की स्वीकृति मिली,योजना का उद्देश्य उन बस्तियों तक बिजली पहुंचाना था,जहां आज तक राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड नहीं पहुंच सका था,स्वीकृति मिलने के बाद कार्य तेजी से प्रारंभ हुआ, अकलासडई से बंशीपुर तक सैकड़ों बिजली पोल लगाए गए,11 केवी लाइन बिछाई गई,तार खींचे गए तथा कई स्थानों पर आवश्यक तकनीकी कार्य भी पूरा कर लिया गया,ग्रामीणों को उम्मीद थी कि कुछ ही महीनों में उनके घरों में पहली बार नियमित बिजली पहुंचेगी, लेकिन यह उम्मीद अधूरी रह गई।

सरकार बदली और रुक गई विकास की रफ्तार?

ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि विधानसभा चुनाव तक काम तेज गति से चलता रहा। इसके बाद लोकसभा चुनाव तक कुछ हिस्सों में काम हुआ, लेकिन फिर अचानक पूरी परियोजना ठप हो गई,इसी कारण अब ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि क्या पिछली सरकार में स्वीकृत विकास कार्य राजनीतिक कारणों से प्रभावित हो गए हैं? हालांकि इस संबंध में बिजली विभाग या शासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

अब कितना काम बचा है?-स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार अब बहुत अधिक कार्य शेष नहीं है, मुख्य रूप से ट्रांसफार्मर स्थापित करना, घरों तक सर्विस लाइन देना,घरेलू बिजली कनेक्शन प्रदान करना,अंतिम तकनीकी परीक्षण कर विद्युत प्रवाह शुरू करना,ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग गंभीरता दिखाए तो एक-दो महीने के भीतर पूरे क्षेत्र में बिजली पहुंच सकती है।

विभागीय उदासीनता पर उठ रहे सवाल-ग्रामीणों का कहना है कि यदि अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है तो केवल अंतिम चरण का कार्य वर्षों तक लंबित क्यों रखा गया? वे पूछ रहे हैं-क्या बजट समाप्त हो गया? क्या ठेकेदार ने काम छोड़ दिया? क्या विभाग ने भुगतान रोक दिया? या फिर प्रशासनिक उदासीनता के कारण योजना अधूरी रह गई? इन सवालों का कोई स्पष्ट उत्तर ग्रामीणों को नहीं मिल रहा।

सौर ऊर्जा भी अब जवाब देने लगी

वर्तमान में चंदहा, बंशीपुर और आसपास के गांव क्रेडा द्वारा संचालित सौर ऊर्जा संयंत्रों के भरोसे हैं,लेकिन यह व्यवस्था अब गांवों की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है,बरसात के मौसम में लगातार बादल छाए रहने के कारण पर्याप्त धूप नहीं मिलती,इससे सोलर प्लांट पूरी क्षमता से चार्ज नहीं हो पाते और रात में कुछ घंटों बाद ही बिजली समाप्त हो जाती है,ग्रामीण बताते हैं कि पहले प्रत्येक घर में केवल दो एलईडी बल्ब जलाने की व्यवस्था थी,लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं,आज हर घर में पंखा,मोबाइल चार्जर,टेलीविजन,पानी का पंप, मिक्सर,अन्य छोटे घरेलू उपकरण का उपयोग होने लगा है, इससे संयंत्रों पर क्षमता से अधिक भार पड़ रहा है।

नई बैटरियों का भी इंतजार

ग्रामीणों के अनुसार कई गांवों में सोलर संयंत्र की बैटरियां भी अपनी उम्र पूरी कर चुकी हैं, क्रेडा द्वारा रखरखाव तो किया जा रहा है, लेकिन नई बैटरियों का आबंटन समय पर नहीं होने के कारण बिजली आपूर्ति और प्रभावित हो रही है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो

अब आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं-चंदहा,बंशीपुर,कचोहर और आसपास के गांवों के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही कार्य दोबारा प्रारंभ नहीं हुआ तो ग्रामीण चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे, उन्होंने कहा कि वर्षों तक इंतजार करने के बाद अब धैर्य जवाब देने लगा है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने उठाई आवाज-पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि उनके कार्यकाल में वनांचल के बिजलीविहीन गांवों की समस्या को गंभीरता से उठाया गया था, उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री से मांग कर इन गांवों के विद्युतीकरण की स्वीकृति दिलाई थी,जिसके बाद तेजी से कार्य प्रारंभ हुआ,उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के बाद अधिकांश विकास कार्यों की गति रुक गई,उन्होंने कहा कि चंदहा,नवाटोला,कचोहर, तंजरा,ठाकुरहथी और बंशीपुर सहित कई गांवों में कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, यदि विभाग शीघ्र कार्य पूरा नहीं करता तो ग्रामीणों के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

ग्रामीणों का अंतिम सवाल हमारे गांव में बिजली कब?

वनांचल के ग्रामीण कहते हैं कि जब आसपास के गांवों में बिजली पहुंच चुकी है और उनके गांवों में भी अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है,तब उन्हें और कितने वर्षों तक इंतजार करना होगा? ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की सुस्ती और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हजारों लोग आज भी आधुनिक जीवन की सबसे बुनियादी सुविधा—बिजली—से वंचित हैं, अब पूरा क्षेत्र इस इंतजार में है कि विभाग कब अधूरा काम पूरा करेगा और वर्षों से अंधेरे में डूबे चंदहा,बंशीपुर,कचोहर,नवाटोला और आसपास के गांवों में आखिर कब स्थायी रूप से बिजली का उजाला पहुंचेगा।

'बैगलेस डे' पर स्कूल बने देशभक्ति और प्रेरणा के केंद्र

महापुरुषों,स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर शहीदों की चित्र प्रदर्शनी ने बच्चों में जगाया राष्ट्रभक्ति का भाव

शहीद परिजन,भूतपूर्व सैनिक, समाजसेवी और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से किया संवाद, पेंटिंग प्रतियोगिता और न्योता भोजन भी बना आकर्षण

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मकता, राष्ट्रभक्ति,सामाजिक सरोकार और नैतिक मूल्यों का भी विकास हो—इसी उद्देश्य के साथ जिले के सभी प्राथमिक,माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शनिवार को 'बैगलेस डे' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों,वीर शहीदों और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली विभूतियों के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी, पेंटिंग प्रतियोगिता, प्रेरक व्याख्यान,संवाद कार्यक्रम तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया,कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन,जिला शिक्षा अधिकारी लता बेक तथा जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के निर्देशन में जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में एक साथ किया गया।

किताबों की जगह रंगों से सीखा इतिहास-बैगलेस डे के तहत इस बार विद्यार्थियों ने पुस्तकों के बजाय रंगों और कल्पनाशीलता के माध्यम से इतिहास को समझने का प्रयास किया,बच्चों ने स्वयं महात्मा गांधी,नेताजी सुभाष चंद्र बोस,भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद,रानी लक्ष्मीबाई,डॉ. भीमराव अंबेडकर,बिरसा मुंडा,स्वामी विवेकानंद,डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम सहित अनेक महापुरुषों और अमर शहीदों के चित्र बनाए,स्क्रैच आर्ट,रंगोली शैली,पेंटिंग एवं हस्तनिर्मित पोस्टरों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी कला का परिचय देते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंगों से सराबोर दिखाई दिए।

स्वतंत्रता सेनानी गोकुल प्रसाद के संघर्ष का किया स्मरण कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी गोकुल प्रसाद के जीवन पर भी प्रकाश डाला, बताया गया कि वर्ष 1925 में वे दुर्ग से उदयपुर पहुंचे और बाद में सूरजपुर क्षेत्र आए,हरिद्वार में आर्य समाज के संपर्क में आने के बाद वे वंदे मातरम आंदोलन से जुड़े,हैदराबाद में आयोजित आंदोलन के दौरान अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया,जहां अमानवीय यातनाएं सहते हुए 1 अप्रैल 1939 को उन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, वक्ताओं ने कहा कि ऐसे महान बलिदानों की जानकारी नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने साझा किए सफलता के अनुभव-भैयाथान विकासखंड के हायर सेकेंडरी स्कूल गंगोटी में अधिवक्ता अनिल गोयल,पूर्व एसडीओ जल संसाधन एस.के. तिवारी,सेवानिवृत्त शिक्षक रविशंकर मिश्रा, समाजसेवी लालचंद अग्रवाल तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन,परिश्रम और नैतिकता का महत्व बताया,वहीं रामानुजनगर विकासखंड के बालक माध्यमिक शाला रामानुजनगर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय साहू,चार्टर्ड अकाउंटेंट स्वयं गोयल तथा जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा ने विद्यार्थियों से संवाद किया,उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों और सफलता की कहानियां साझा करते हुए बच्चों को बड़े सपने देखने और उन्हें मेहनत से पूरा करने की प्रेरणा दी, विद्यार्थियों ने भी अपने भविष्य के लक्ष्य बताते हुए डॉक्टर, इंजीनियर, सैनिक,शिक्षक और प्रशासनिक अधिकारी बनने की इच्छा व्यक्त की।

प्रतियोगिताओं में दिखी रचनात्मकता-बैगलेस डे के दौरान विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम,द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, इससे बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिला।

पोषण वाटिका और न्योता भोजन भी बना आकर्षण-शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विद्यालयों में पोषण वाटिका का विस्तार भी किया गया,इसके अलावा न्योता भोजन कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की गई,इससे विद्यालय और समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया गया।

प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

विद्यालयों में लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का शिक्षकों,अभिभावकों,जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने भी अवलोकन किया,प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन,उनके संघर्ष,त्याग और राष्ट्र निर्माण में योगदान की जानकारी दी गई, बच्चों ने स्वयं अपने चित्रों का परिचय देते हुए बताया कि वे किस महापुरुष से प्रेरणा लेते हैं और क्यों।

शहीद परिवारों ने सुनाई बलिदान की गाथा

प्रतापपुर विकासखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू परमानंद कोसरिया के पुत्र कमलेश कोसरिया तथा सीमा पर देश सेवा कर चुके भूतपूर्व सैनिक शिवचरण नापित विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए,उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन,देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी,इसी प्रकार सूरजपुर विकासखंड के माध्यमिक शाला रुनियाडीह में शहीद परिवार के प्रतिनिधि अंकित कोसरिया ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की प्रेरक कहानियां साझा कीं।

"बैगलेस डे" के अवसर पर स्कूलों में महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित

छात्रों ने पेंटिंग व चित्रकारी के माध्यम से अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, शहीद परिजन एवं भूतपूर्व सैनिक हुए शामिल

- कलेक्टर रेना जमील और CEO विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिलेभर के विद्यालयों में आयोजन
- शहीद परिजन, भूतपूर्व सैनिक, समाजसेवी और विशेषज्ञों ने बच्चों को दिए प्रेरक संदेश
- चित्रकला प्रतियोगिता में अव्वल छात्रों को किया गया पुरस्कृत
- पोषण वाटिका का विस्तार और न्योता भोजन भी हुआ आयोजित

हर शनिवार होगा सीखने का नया अनुभव

जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने बताया कि 'बैगलेस डे' स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा की पहल है,यह प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाला सतत कार्यक्रम है,जिसका उद्देश्य बच्चों को पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ व्यवहारिक,रचनात्मक एवं अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना है,उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों, समाजसेवियों,सफल व्यक्तियों, पालकों एवं स्कूल प्रबंधन समितियों को विद्यालयों से जोड़कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षा के साथ संस्कारों का भी हुआ समावेश

कार्यक्रम में सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी,विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर गतिविधियों का अवलोकन किया, बैगलेस डे के इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में देशभक्ति, संस्कार,सामाजिक उत्तरदायित्व,रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास के अवसर भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी न केवल अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं,बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

CMYK

बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे एल्विश यादव

टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन फिल्म में आएंगे नजर

यूट्यूबर और रियलिटी शो स्टार एल्विश यादव जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। वह विक्की जैन के प्रोडक्शन हाउस व्हीजे फेम्स की एक्शन फिल्म में टाइगर श्रॉफ और अभिषेक बनर्जी के साथ नजर आएंगे। एल्विश यादव ने अपने करियर की शुरुआत एक यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर के तौर पर की थी। बाद में वो कई रियलिटी शो में भी नजर आए जिसके बाद वे घर-घर में पहचाने जाने लगे। एल्विश ने पिछले साल वेब शो औकात के बाहर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था।अब खबर आ रही है कि वे बहुत जल्द बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने अपने प्रोडक्शन हाउस व्हीज फेम्स का ऐलान किया है। उनकी पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अभिषेक बनर्जी और एल्विश नजर आएंगे। बिना नाम वाली इस फिल्म को रेमो डिसूजा डायरेक्ट करेंगे।

कब से शुरू होगी शूटिंग?

असल में,यह सिर्फ एक फिल्म नहीं,बल्कि एक एक्शन फ्रैंचाइजी होगी। फिल्म की शूटिंग 1 अगस्त से शुरू हो रही है। तरण आदर्श ने एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी। वहीं एल्विस के फैन्स उनके बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बहुत उत्साहित हैं। एक फैन ने ट्वीट किया,बहुत एक्साइटेड हूं और आप पर गर्व है एल्विश यादव,पिछले 10-12 सालों में आपने जो लगन और कड़ी मेहनत दिखाई है,उसका फल अब आखिरकार मिल रहा है।

एल्विश के फैंस ने जाहिर की खुशी

एक अन्य एक्स यूजर ने लिखा,ऑल द बेस्ट,एलविशयादव अपने नफरत करने वालों को गलत साबित करो जैसे तुम हमेशा करते हो भाई। एक और ने ट्वीट किया,बधाई हो भाई एल्विश यादव भाई,यूट्यूब पर वीडियो देखते थे पहले टीवी पर,अब सीधे सिनेमा हॉल में देखेंगे भाई,सब सपने पूरे हो रहे भाई,आई लव यू भाई,महादेव आपको आशीर्वाद दें। एल्विश यादव बिग बॉस ओटीटी सीजन 2,प्लेग्राउंड, एमटीव्ही रोडीज एक्सएक्स : डबल क्रॉस, लाफ्टर शेफ्स और अन्य टीवी शोज में नजर आ चुके हैं। अब उनके फैंस बड़े पर्दे पर उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

संजय दत्त के बर्थडे पर इमोशनल हुए सलमान खान

भाईजान ने लिखा दिल छूने वाला नोट

सलमान खान ने संजय दत्त के जन्मदिन के बाद उन्हें दिल से गले लगाकर और एक इमोशनल नोट लिखकर बधाई दी। सलमान खान ने 1 अगस्त को अपने दोस्त और को-एक्टर एक्टर संजय दत्त के लिए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया,जिसमें उन्होंने फैंस को अपनी पुरानी दोस्ती की झलक दिखाई। 60 साल के सलमान ने दोनों की एक साथ गले मिलते हुए तस्वीर पोस्ट की और साथ ही एक पर्सनल नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने दत्त के लिए अपना प्यार जाहिर किया। यह पोस्ट दत्त के 29 जुलाई को अपना 67वां जन्मदिन मनाने के बाद आया।

सलमान ने शेयर की इमोशनल तस्वीर और नोट

तस्वीर में सलमान टी-शर्ट और जींस पहने हुए हैं और उन्होंने कैप पहनी है,जबकि संजय शर्ट और जींस में हैं। गले मिलने की वजह से उनके चेहरे कुछ छिपे हुए हैं,लेकिन उस पल का इमोशन साफ झलक रहा है। तस्वीर के साथ,

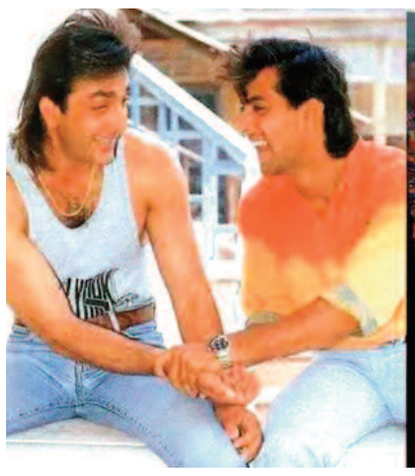

सलमान ने लिखा,बाबा हमेशा के लिए बाबा और बाबा, बाबा होता है। संजू बाबा है हम सब का बाबा और संजू बाबा अब अपने बच्चों का बाबा,मेरा बड़ा भाई संजय दत्त, अल्लाह,भगवान,यीशु सब इस आदमी को खुश रखें,आई लव यू बाबा।

दशकों पुरानी है दोनों की दोस्ती

इन एक्टर्स के बीच दशकों से गहरी दोस्ती रही है,चाहे वो ऑन-स्क्रीन हो या ऑफ-स्क्रीन। उन्होंने साजन (1991), चल मेरे भाई (2000) और ये है जलवा (2002) जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।पिछले साल एक इंटरव्यू में दत्त ने सलमान के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर को याद करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह साजन के समय की तस्वीर है। सलमान बहुत अच्छे इंसान हैं, वह मेरे छोटे भाई जैसे हैं। मैं उनसे अलग नहीं हो सकता-वह मेरे भाई हैं।

दोनों का वर्कफंट

सलमान अगली बार मातृभूमि में नजर आएंगे, जो एक वॉर ड्रामा फिल्म है। इस बीच,संजय दत्त इस साल लगातार कई फिल्मों की रिलीज में व्यस्त रहे हैं,जिनमें राजा शिवाजी,आखिरी सवाल और धुरंधरः द रिवेंज शामिल हैं। अब वह अपनी 1993 की कल्ट क्लासिक फिल्म खलनायक के सीक्वल,खलनायक रिटर्न्स की तैयारी कर रहे हैं।

मिर्जापुरः द मूवी का भौकाल होने वाला है शुरू, 11 अगस्त को रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

अपने 3 दमदार सीजन के बाद,मिर्जापुर की दुनिया अब तक के सबसे रोमांचक सफर के लिए तैयार है। अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत मिर्जापुरः द मूवी इस साल बड़े पर्दे पर धमाका करने आ रही है। फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज होकर फैंस के बीच माहौल सेट कर चुका है। अब इंतजार इसके ट्रेलर का है, जिससे जुड़ा एक ताजा अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि निर्माता एक भव्य कार्यक्रम में ट्रेलर को लॉन्च करेंगे। एक सूत्र ने बताया कि मिर्जापुरः द मूवी का ट्रेलर 11 अगस्त को लॉन्च होगा।

उन्होंने कहा...बड़े पर्दे पर धूम मचाने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। टीजर से इंटरनेट पर तहलका मचाने के बाद, फिल्म निर्माता अब 11 अगस्त को मिर्जापुर द मूवी का आधिकारिक ट्रेलर जारी करने की तैयारी में हैं, जो दर्शकों को सिनेमाघरों में रिलीज से पहले मिर्जापुर की दुनिया की अब तक की सबसे व्यापक झलक पेश करेगा।

गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित मिर्जापुरः द मूवी का टीजर पिछले महीने आया था, जिसमें अली और पंकज अपने-अपने किरदारों में दमदार वापसी करते

नजर आए। दिव्येंदु भी अपने किरदार मुन्ना भइया के रूप में फिल्म में मौजूद हैं, जिनकी सीरीज के दूसरे सीजन में मौत हो गई थी। अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल,जितेंद्र कुमार,शीबा चड्ढा,श्रिया पिलगांवकर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस चौहान भी अहम किरदारों में मौजूद हैं। ये फिल्म 4 सितंबर, 2026 से सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नई फिल्म के लिए सलमान की बड़ी कुर्बानी

सलमान खान बॉलीवुड के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं। लंबे समय से वह एक फिल्म के लिए करीब 120 करोड़ रुपये तक की फीस लेने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब उनकी आगामी फिल्म एसव्हीसी 63 को लेकर एक ऐसी खबर सामने आई है,जिसने फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान ने इस फिल्म के लिए अपनी फीस में करीब 50 करोड़ रुपये की कटौती की है। यानी जहां वह आमतौर पर 120 करोड़ रुपये लेते हैं,वहीं इस प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने लगभग 70 करोड़ रुपये में काम करने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसव्हीसी 63 का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता दक्षिण भारतीय निर्देशक वामशी पेडीपल्ली कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण प्रसिद्ध निर्माता दिल राजू कर रहे हैं,जबकि रफी काजी भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हैं। यह फिल्म लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है और इसे सलमान खान के करियर की बड़ी पैन इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सलमान खान द्वारा फीस कम करने के पीछे एक खास वजह उनकी निजी दोस्ती है। बताया जा रहा है कि सलमान और निर्माता रफी काजी के बीच लंबे समय से अच्छे संबंध हैं। यही नहीं,रफी काजी ने ही सलमान खान को इस प्रोजेक्ट से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी रिश्ते और आपसी विश्वास को महत्व देते हुए सलमान ने अपनी सामान्य फीस की तुलना में करीब 50 करोड़ रुपये कम लेने का फैसला किया। फिल्म इंडस्ट्री में यह माना जाता है कि बड़े सितारे कई बार अपने करीबी निर्माताओं या निर्देशकों के साथ काम करने के लिए फीस में बदलाव कर देते हैं,खासकर तब जब उन्हें किसी प्रोजेक्ट की कहानी,टीम या भविष्य पर भरोसा हो। सलमान खान का यह फैसला भी इसी तरह का माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में फिल्म की टीम या अभिनेता की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है,लेकिन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद यह खबर तेजी से चर्चा का विषय बन गई है। सलमान खान की स्टार पावर और बॉक्स ऑफिस पर उनकी पकड़ को देखते हुए उनकी मार्केट वैल्यू लगातार ऊंची बनी हुई है। पिछले कई वर्षों से वह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेताओं में शामिल रहे हैं। ऐसे में उनकी फीस में इतनी बड़ी कटौती को इंडस्ट्री एक असाधारण कदम के रूप में देख रही है। फिल्म एसव्हीसी 63 में सलमान खान के साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री नयनतारा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस नई जोड़ी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्साह बना हुआ है। फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर तैयार किया जा रहा है,जिससे हिंदी के साथ-साथ दक्षिण भारतीय भाषाओं के दर्शकों को भी आकर्षित किया जा सके।

आरजे महवश रागिनी एमएमएस 3 की स्टार कास्ट में हुई शामिल

रेडियो जॉकी महवाश अब हॉरर-कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। वह रागिनी एमएमएस 3 फिल्म का हिस्सा बन गई हैं,जिसमें उनके साथ आयुष शर्मा,जुनैद खान,तमन्ना भाटिया और नजर आने वाले हैं।फिल्म को शशांक घोष निर्देशित कर रहे हैं और इसे एक थ्रिलर बताया जा रहा है। वैसे तो फिल्म की शूटिंग पहले से ही शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब महवाश भी सेट पर पहुंच गई हैं और उन्होंने अपना काम शुरू कर दिया है।इस बार रागिनी एमएमएस की तीसरी कड़ी में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। फिल्म अब सिर्फ डरावनी थीम तक ही सीमित नहीं रहेगी,बल्कि इसमें अलौकिक घटनाओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।निर्देशक साहिर रजा के प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब फिल्म का निर्देशन शशांक घोष संभाल रहे हैं। खबर है कि नरगिस फाखरी इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं का मानना है कि यह नयापन दर्शकों को पसंद आएगा। रागिनी एमएमएस 3 इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खेल समाचार

जैस्मिन लांबोरिया का बॉक्सिंग रिंग में धमाल

ग्लास्गो,01 अगस्त 2026। 1 अगस्त को दिन भारतीय बॉक्सिंग के लिए ऐतिहासिक दिनों में से एक साबित हो रहा है। भारत की स्टार बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में दमदार खेल दिखाते हुए महिला 57 किलोग्राम वर्ग का गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने डिफेंडिंग कॉमनवेल्थ चैंपियन उत्तरी आयरलैंड की माइकेला वॉल्श को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराया। सिर्फ 15 मिनट के भीतर ये भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है, इससे पहले प्रीति पवार ने भी गोल्ड हासिल किया।

तीनों राउंड में जैस्मिन का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। पहले राउंड में जैस्मिन ने करीबी मुकाबले में 3-2 से बढ़त बनाई। इसके बाद दूसरे राउंड में उन्होंने अपनी आक्रामक बॉक्सिंग से दबदबा कायम करते हुए सभी जजों का फैसला अपने पक्ष में किया और 5-0 से

***भारत को दिलाया दिन का दूसर गोल्ड,**
*** फाइनल में वॉल्श को 5-0 से पीटा**

भारत की स्टार बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में दमदार खेल दिखाते हुए महिला 57 किलोग्राम वर्ग का गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।

राउंड जीता। तीसरे और आखिरी राउंड में भी जैस्मिन ने संयम बनाए रखा और 4-1 से राउंड अपने नाम कर लिया।

15 मिनट में आया दूसरा गोल्ड

जैस्मिन की इस जीत के साथ भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इससे पहले प्रीति पवार ने भी 10वें दिन गोल्ड मेडल जीतकर भारत का खाता खोला था। यानी बॉक्सिंग के अब तक खेले गए दोनों फाइनल मुकाबलों में भारत ने गोल्ड हासिल किया है। दोनों बॉक्सर के दम पर भारत के लिए बॉक्सिंग में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल की संख्या बढ़कर 7 हो गई है।

10 वें दिन बॉक्सिंग में भारत के शेष मुकाबले

भारत के लिए बॉक्सिंग मेडल आने का सिलसिला यही नहीं रुकने वाला है। 10वें दिन अभी 8 और मुकाबले बाकी है।

सीमा कालीरामना का जज़्बा : चुनौतियों को हराकर कॉमनवेल्थ में जीता ब्रॉन्ज़

स्कॉट्सटाउन,01 अगस्त 2026। आंखों पर चश्मा, हड्डियों में आर्थराइटिस की परेशानी, पीएचडी की पढ़ाई और एक मां की जिम्मेदारी – इन तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय डिस्कस थ्रोअर सीमा कालीरामना ने अपने प्रदर्शन से नया इतिहास रच दिया। स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में जब सीमा कालीरामना ने गले में ब्रॉन्ज़ मेडल पहना,तो यह केवल एक पदक नहीं था,बल्कि संघर्ष, मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत थी। सीमा कालीरामना उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देते हुए साबित किया कि सफलता के लिए केवल शारीरिक बनावट नहीं,बल्कि जुनून और लगातार मेहनत भी जरूरी होती है।

नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता,10 भारतीय बॉक्सर गोल्ड मेडल के मुक़ाबले में पहुँचे

ग्लास्गो,01 अगस्त 2026। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। पुरुषों की जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) स्पर्धा में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल और यश वीर सिंह ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। साथ ही,शुक्रवार को 10 भारतीय मुक्केबाज भी अपने-अपने गोल्ड मेडल मुकाबलों में पहुंच गए। चोपड़ा के सिल्वर और यश वीर सिंह के ब्रॉन्ज़ मेडल के अलावा, तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता और भारत के जूडो खिलाड़ियों ने भी पदकों की संख्या में तीन और पदक जोड़े। बॉक्सिंग में,सेमीफाइनल में हिस्सा लेने वाले सभी 10 भारतीय मुक्केबाज गोल्ड मेडल मुकाबलों में पहुंच गए, जिससे देश के लिए कम से कम 10 सिल्वर मेडल पक्के हो गए। नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के +90 किग्रा सेमीफाइनल में त्रिनिदाद और टोबैगो के नाइजेल पॉल को हराया, जबकि सचिन सिवाच ने पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में वेल्स के ओवेन हैरिस-एलन को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। टोक्यो ओलंपियन लवलीना बोरगोहेन ने महिलाओं के 75 किग्रा सेमीफाइनल में तुवालु की तारोना खानुम बादी पासोनी ताफाकी को हराया, जबकि प्रिया घांघस ने

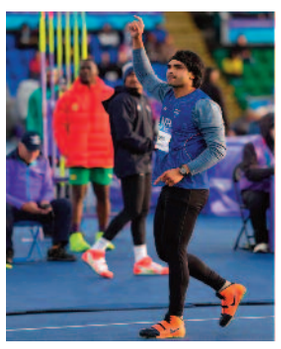

महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में इंग्लैंड की लुसी किंग्स-व्हीटली को मात दी।

साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किग्रा सेमीफाइनल में कनाडा की एम्बर-जेन वॉल को हराया,जबकि जादुमनी सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में नामीबिया के फिलिप हाओसेब को हराया। अरुंधति चौधरी ने महिलाओं के 70 किग्रा सेमीफाइनल में वेल्स की मौजूदा चैंपियन रोजी एक्लेस को हराया, जबकि जैस्मिन लंबोरिया ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में लेसोथो की रापेलैंग मासेलेला को मात दी। अंकुश पांघल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में कनाडा के जोशुआ ओफ़ोरी को हराया, जबकि प्रीति पवार ने महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को हराया। अब सभी 10 भारतीय बॉक्सर 1 अगस्त को अपने-अपने फ़ाइनल में गोल्ड मेडल के लिए मुक़ाबला करेंगे।

जूडो में अस्मिता डे ने कनाडा की हेइडी क्वाच को हराकर महिलाओं के 48 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता, जबकि हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज़ को हराकर पुरुषों के 60 किग्रा इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। महिलाओं के 57 किग्रा कैटेगरी में यामिनी मौर्य फ़ाइनल में इंग्लैंड की एसेल्य टोप्रक से हारने के बाद सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। एथलेटिक्स में, विशाल टीके, राजेश रमेश, रशदीप कौर और नीरू पाठक वाली भारत की मिक्स्ड 4×400 रिले टीम हीट्स में हिस्सा लेने के बाद फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई कर गई।

जसप्रीत बुमराह ने पास किया फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु,01अगस्त 2026। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों और टीम प्रबंधन के लिए एक बेहद राहत भरी और बड़ी खबर सामने आई है। भारत के घातक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने सभी फिटनेस टेस्ट सफलतापूर्वक पास कर लिए हैं। बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने जा रही दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज में खेलने की हरी झंडी मिल गई है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बुमराह चोटिल हो गए थे,जिसके कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मैच से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बुमराह पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

स्कॉट एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी,बास डी लीडे संभालेंगे कमान

नई दिल्ली,01अगस्त 2026। स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे। यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जारी एक वीडियो में एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं,लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि हमारे फर्म बाबा बच्छराज कुंवर कंस्ट्रक्शन पंजीकृत कार्यालय नमना कला अम्बिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़ से दिनांक 04 जून 2025 से पार्टनर श्री शैलेश कुमार गुप्ता पार्टनरशिप से बाहर हो गए हैं अथवा फर्म में भागीदार नहीं है और श्री राकेश कुमार गुप्ता इस फर्म में नए पार्टनर के रूप में दिनांक 04 जून 2025 से पूर्व पार्टनर श्रीमती अंजली गुप्ता के साथ सम्मिलित किए गए हैं

बाबा बच्छराज कुंवर कंस्ट्रक्शन
नमना कला अंबिकापुर
सरगुजा छत्तीसगढ़

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

क्रमांक/3043 वाचक-2/2026
सूरजपुर दिनांक - 30/07/2026

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर गेतरा प0ह0नं0 ... तहसील सूरजपुर जिला -सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखमनिया बाई पिता जगराम जाति गोंड निवासी ग्राम गेतरा पोस्ट केतका थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला -सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने स्वयं सुखमनिया बाई पिता जगराम का जन्म/मृत्यु तिथि 22/05/1976 स्थान बेलटिकरी के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 13/08/2026 दिन गुरूवार को उपस्थित होकर दावा /आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 30/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

(सील)

नायब तहसीलदार
उप तह.मानी,सूरजपुर

भाग-1

जहां डॉक्टर नहीं पहुंचते थे, वहां स्वास्थ्य की दस्तक

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान बना स्वास्थ्य विभाग की ऐतिहासिक उपलब्धि

- 13 अप्रैल से अभियान की शुरूआत
- 1300 स्वास्थ्य टीमों ने किया काम
- 34.29 लाख लोगों की हुई जांच
- 6 हजार से ज्यादा गंभीर मरीज मिले
- 10,938 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान
- दूसरा चरण 31 अगस्त तक जारी

नक्सल प्रभावित बस्तर में घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, हर व्यक्ति की जांच, हर मरीज तक इलाज

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा-नक्सल प्रभावित बस्तर में घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, हजारों गंभीर मरीजों और हाई रिस्क गर्भवतियों की पहचान

46 मिनट की प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने गिनाईं उपलब्धियां,कहा–स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान से लेकर अस्पतालों के विस्तार,डॉक्टरों की भर्ती मातृ-शिशु सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा तक विभागीय कार्यों का रखा विस्तृत ब्यौरा

विशेष श्रृंखला भाग-1

ढाई साल का स्वास्थ्य रिपोर्ट कार्ड: 'स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं'

न्यूज डेस्क

रायपुर,01 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा राजधानी रायपुर में आयोजित लगभग 46 मिनट की प्रेस वार्ता में रखा,प्रेस वार्ता में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए कार्यों, नई योजनाओं,अधोसंरचना के विस्तार,भर्ती, चिकित्सा शिक्षा,खाद्य सुरक्षा तथा बस्तर सहित दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को लेकर आंकड़ों सहित जानकारी दी,प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, स्वास्थ्य आयुक्त संजीव झा,आयुष विभाग के संचालक डॉ. राजेंद्र कटारा,सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक उज्ज्वल पुरवार सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

मीडिया का जताया आभार-अपने संबोधन की शुरुआत में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मीडिया का स्वागत करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मीडिया जनता और सरकार के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, उन्होंने कहा कि कई ऐसे दुर्गम क्षेत्र हैं जहां प्रशासनिक अधिकारी भी नियमित रूप से नहीं पहुंच पाते, लेकिन मीडिया वहां तक पहुंचकर वास्तविक स्थिति सामने लाता है,उन्होंने सभी मीडिया संस्थानों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कार्यों को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

13 अप्रैल से शुरू हुआ अभियान- मंत्री ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में किया गया,अभियान की शुरुआत एक साथ लगभग 1100 स्थानों से की गई, इस पूरे अभियान में लगभग 1300 स्वास्थ्य टीमों को लगाया गया,इन टीमों में शामिल थे–चिकित्सक,स्टाफ नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, जनप्रतिनिधि, स्थानीय प्रशासन।

34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच- मंत्री ने बताया कि अभियान का लक्ष्य लगभग 36 लाख आबादी तक पहुंचना था,हालांकि इनमें से कुछ लोग बाहर रोजगार के लिए चले गए थे तथा कुछ लोगों की मृत्यु हो चुकी थी,जिसके कारण वास्तविक लक्ष्य में अंतर आया, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने लगभग 34 लाख 29 हजार लोगों की स्क्रीनिंग कर लक्ष्य का लगभग शत-प्रतिशत हासिल कर लिया, उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे बस्तर क्षेत्र की जनता की सफलता है।

10,938 हाई रिस्क गर्भवतियों की पहचान- प्रेस वार्ता का एक महत्वपूर्ण बिंदु मातृ स्वास्थ्य रहा, मंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान 10,938 हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहचान की गई,ऐसी महिलाओं की नियमित निगरानी शुरू की गई,विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराई गई,सुरक्षित संस्थागत प्रसव की व्यवस्था की गई, उन्होंने कहा कि मातृ मृत्यु दर कम करने में यह अभियान महत्वपूर्ण साबित होगा।

अभियान का दूसरा चरण शुरू-मंत्री ने बताया कि पहले चरण में केवल पहचान और स्क्रीनिंग का कार्य किया गया, अब दूसरा चरण चल रहा है,इसमें चिन्हित मरीजों का उपचार, विशेषज्ञ परामर्श, रेफरल, फॉलोअप किया जा रहा है,यह चरण 31 अगस्त तक चलेगा।

स्वास्थ्य कर्मियों को दिया श्रेय- मंत्री ने विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों की सराहना की, उन्होंने कहा कि यदि मितानिन, नर्स, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव और स्थानीय जनप्रतिनिधि सहयोग नहीं करते तो इतना बड़ा अभियान सफल नहीं हो सकता था, उन्होंने अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

स्वस्थ बस्तर अभियान मेरे जीवन का सबसे भावनात्मक अभियान

प्रेस वार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री कई बार भावुक भी नजर आए...उन्होंने कहा कि जब भी मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की चर्चा होती है तो उनके मन में विशेष भावनाएं उमड़ पड़ती हैं, उन्होंने कहा—ऐसा लगता है कि पिछले जन्म में मैंने कोई बहुत बड़ा पुण्य किया होगा कि मुझे स्वास्थ्य जैसा विभाग मिला और वह भी छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में,जहां बस्तर जैसा विशाल और वर्षों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित क्षेत्र है,उन्होंने कहा कि बस्तर में ऐसे अनेक गांव हैं जहां दशकों तक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच सकीं,कई गांव ऐसे रहे जहां लोगों ने न कभी डॉक्टर देखा, न नर्स और न ही आधुनिक दवाइयों की सुविधा प्राप्त की।

नक्सलवाद के कारण वर्षों तक स्वास्थ्य सेवाओं से दूर रहे गांव

मंत्री ने बताया कि नक्सलवाद के कारण अनेक गांव सड़क,बिजली और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रह गए,उन्होंने कहा कि कई गांवों तक पहुंचने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था,अनेक क्षेत्रों में सड़क तक नहीं थी,स्वास्थ्य कर्मियों के लिए वहां पहुंचना जोखिम भरा था,गर्भवती महिलाओं,बच्चों और बुजुर्गों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता था,ऐसी परिस्थितियों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान शुरू किया गया।

घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीम

मंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव-गांव और घर-घर पहुंचीं,प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई,जांच में शामिल थे रक्तचाप (बीपी),ब्लड शुगर, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण,बुखार की जांच,आवश्यक दवाइयों का वितरण जहां मामूली बीमारी मिली,वहीं उपचार उपलब्ध कराया गया।

गंभीर मरीजों के लिए बनाया रेफरल सिस्टम

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अभियान केवल जांच तक सीमित नहीं रहा,यदि किसी मरीज की स्थिति गंभीर पाई गई तो उसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,फिर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,आवश्यकता पड़ने पर जिला अस्पताल,और जरूरत होने पर रायपुर के बड़े अस्पतालों तक भेजा गया,उन्होंने कहा कि पहली बार बस्तर के दूरस्थ गांवों के लोगों को व्यवस्थित रेफरल प्रणाली का लाभ मिला।

6000 से अधिक गंभीर मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजा गया...

मंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 6000 ऐसे मरीज मिले जिन्हें उच्च स्तरीय चिकित्सा की आवश्यकता थी, इन सभी मरीजों को चरणबद्ध तरीके से विशेषज्ञ अस्पतालों में भेजा गया, कुछ मरीजों का उपचार अभी भी जारी है।

बस्तर में स्वास्थ्य सेवा का नया अध्याय

मंत्री ने कहा कि वर्षों तक नक्सल प्रभावित रहा बस्तर अब विकास और स्वास्थ्य सेवाओं के नए दौर में प्रवेश कर रहा है, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य केवल इलाज करना नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति तक समय पर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है,उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में बस्तर में और अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक,आधुनिक उपकरण और नई स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अगले भाग (भाग-2) में पढ़िए...

- ढाई वर्षों में स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार
- 11 उप स्वास्थ्य केंद्र,43 पीएचसी, नए अस्पतालों की स्थापना
- 1000 नए डॉक्टरों की भर्ती
- 3000 से अधिक नर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ
- मातृ मृत्यु दर में सुधार
- 450 करोड़ की प्रोत्साहन राशि
- मलेरिया नियंत्रण की रणनीति
- टीबी मुक्त पंचायतों की सफलता
- और कई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं।

युवा ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों से करें राष्ट्र निर्माण : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर,01 अगस्त 2026। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनकल्याण के लिए उपयोग में लाना है। एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं,बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें,जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने। राज्यपाल डेका रायगढ़ स्थित ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग,स्कूल ऑफ मैनेजमेंट तथा स्कूल ऑफ साइंस के 688 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 28 को रजत तथा 29 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदलती तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि उन्हें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो ज्ञान के साथ संवेदनशीलता,नेतृत्व क्षमता,अनुसंधान की प्रवृत्ति और सामाजिक सरोकारों को भी अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की सच्ची सार्थकता केवल उपाधि प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को समझदारी,दूरदर्शिता और नैतिक साहस के साथ जीवन में उतारने में है। आपका ज्ञान तभी पूर्ण होगा,जब वह समाज और मानवता के कल्याण में उपयोगी बने। जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें,जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो। विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और संस्कारों के बल पर देश के विकास तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चार दिन तक मिट्टी के नीचे दबी रही जिंदगी.... पाइपलाइन कार्य में लापरवाही ने ली मजदूर की जान

कांकेर,01 अगस्त 2026। जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र में जल जीवन मिशन (नल-जल योजना) के कार्य के दौरान हुई कथित लापरवाही ने एक मजदूर की जान ले ली। पाइपलाइन का घरेलू कनेक्शन जोड़ने के लिए गड्ढे में उतरा मजदूर जेसीबी से डाली गई मिट्टी में जिंदा दब गया और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। हैरानी की बात यह रही कि चार दिन बाद उसी स्थान की दोबारा खुदाई में उसका शव बैठी हुई अवस्था में बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार ग्राम हिंगनझर में नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा था। 28 जुलाई को 30 वर्षीय रामदेव आंचला पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में उतरकर घरेलू कनेक्शन जोड़ रहा था। इसी दौरान दूसरी ओर से गड्ढा भर रहा जेसीबी चालक अनजाने में

उसी हिस्से पर भी मिट्टी डालता चला गया, जहां रामदेव काम कर रहा था। मिट्टी इतनी तेजी से भर गई कि मजदूर को बाहर निकलने या मदद के लिए आवाज लगाने का भी मौका नहीं मिला। घटना के समय अन्य मजदूर 20 से 40 मीटर दूर काम कर रहे थे, जिससे किसी को हादसे का एहसास तक नहीं हुआ। दोपहर के भोजन के समय जब रामदेव नहीं पहुंचा तो साथियों ने उसकी तलाश शुरू की। शुरुआत में मोबाइल पर घंटी जाती रही,लेकिन कुछ समय बाद फोन भी बंद हो गया। परिजनों और ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की,लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद कच्चे चौकी में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। 31 जुलाई को पुलिस, ग्रामीणों और सरपंच की मौजूदगी में उस स्थान पर दोबारा खुदाई कराई गई, जहां रामदेव आखिरी बार काम करते देखा गया था। करीब 10 मीटर तक खुदाई करने के बाद गड्ढे के भीतर बैठी हुई अवस्था में उसका शव बरामद हुआ। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोग भी स्तब्ध रह गए। मजदूर का शव बाहर निकलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जेसीबी चालक के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर चालक को हिरासत में लिया।

सीएम साय ने आतंकी हमले में मारे गए भूपेंद्र और दीपक के परिवार को 20-20 लाख देने की घोषणा की

रायपुर,01 अगस्त 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुलगाम (जम्मू-कश्मीर) आतंकी हमले में मारे गए छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने घटना की निंदा करते हुए मृतात्माओं की शांति की प्रार्थना की। दिल्ली के दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि बस्तर पंडुम के विजेताओं का राष्ट्रपति ने सम्मान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नक्सल मुक्त बस्तर में जो गतिविधि चल रही है उसकी जानकारी दी, वहां विद्युतीकरण की स्वीकृति के प्रस्ताव को मंजूर करने का आयोजन किया, आयुर्वेद का एम्स खोलने की भी मांग प्रधानमंत्री से की है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि विकास के काम तेजी से होंगे। आने वाले वक्त में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लखपति दीदी को लेकर सम्मेलन होगा। वहीं महानदी जल विवाद को लेकर ओडिशा के मुख्यमंत्री के साथ जल शक्ति मंत्री के साथ हुई बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों प्रदेश के हित को देखते हुए निर्णय होगा, आने वाले तीन महीने में जल बंटवारे का निर्णय हो जाने की उम्मीद है। इसके साथ उन्होंने कहा कि कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाइन मिलने वाला है। रेल मंत्री से मुलाकात में इसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कुछ और रेल लाइन की स्वीकृति को लेकर भी बातचीत हुई है। बस्तर में भी किरंदुल से बीजापुर जैसी जगहों के लिए रेल लाइन पर चर्चा हुई है।

सीएम साय ने बताया कि नये मोबाइल टावर के लिए भी केंद्रीय मंत्री से बात हुई है, नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में पहले जो 500 से ज्यादा मोबाइल टावर मिले उसके लिए धन्यवाद दिया।

दो जिला अध्यक्षों की बहस से बढ़ी सियासी हलचल,कांग्रेस का हमला

भिलाई,01 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो पदाधिकारियों के बीच हुई कथित फोन बातचीत का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह बातचीत भिलाई भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष खगेश कोसरिया के बीच हुई थी। कथित बातचीत में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के लिए नाश्ते और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा सुनाई दे रही है। हालांकि, वायरल ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

कार्यक्रम की व्यवस्था को लेकर हुई कथित बातचीत

सोशल मीडिया पर वायरल कथित ऑडियो के अनुसार, पार्टी के कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों के स्वागत और नाश्ते की व्यवस्था को लेकर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। बातचीत में बेहतर आतिथ्य व्यवस्था, नाश्ता, पानी और अन्य आवश्यक इंतजामों पर चर्चा की गई। कथित तौर पर जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि बाहर से आने वाले अतिथियों के सामने संगठन की अच्छी छवि प्रस्तुत करना जरूरी है और कार्यक्रम की व्यवस्था उसी स्तर की होनी चाहिए।

आर्थिक स्थिति का हवाला देने का दावा

कथित ऑडियो में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष खगेश कोसरिया अपनी आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए अतिरिक्त खर्च उठाने में असमर्थता जताते हुए सुनाई देते हैं। बातचीत के अनुसार उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से उनका कारोबार ठीक नहीं चल रहा है और वे अपनी क्षमता से अधिक खर्च नहीं कर सकते। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यक्रम के लिए सामान्य स्तर पर चाय, समोसा, जलेबी और पानी जैसी बुनियादी व्यवस्था पर्याप्त रहेगी, ताकि कार्यक्रम भी हो जाए और अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी न पड़े।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)